सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन गिल ने किया कमाल, सेना देशों में टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले बने पहले भारतीय कप्तान.. -पेज: 7

डिजिटल डेब्यु को तैयार वाणी; पहली बार इस अंदाज में आएंगी नजर..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 86 | शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'बिना देरी दंडित किए जाएं पहलगाम हमले के दोषी', अमेरिका में एस जयशंकर ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

अमेरिका जापान आस्ट्रेलिया और भारत के संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया गया है कि वे इस हमले के दोषियों को तत्काल सजा दिलाने में मदद करें। संयुक्त बयान में कहा गया है क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत हर तरह के आतंकवाद और किसी भी तरह के अतिवाद की कड़ी निंदा करता है।

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत के संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को वाशिंगटन में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में पहलगाम पर हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए इसमें मारे गए 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक के स्वजन के प्रति गहरी संवेदना जताई है। हमले के दोषियों को तत्काल सजा दिलाने में मदद करें- भारत इसमें संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया गया है कि वे इस हमले के दोषियों को तत्काल सजा दिलाने में मदद करें। भारत की मंशा के विपरीत पहलगाम हमले के संदर्भ में संयुक्त बयान में पाकिस्तान या इसकी तरफ से पोषित आतंकी संगठनों का नाम नहीं लिया गया है और न ही भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष का उल्लेख है। क्वाड ने आतंकवाद की निंदा की संयुक्त बयान में कहा गया है, क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत हर तरह के आतंकवाद और किसी भी तरह के अतिवाद की कड़ी निंदा करता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी हम बेहद कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इसमें मारे गए लोगों के स्वजन के प्रति हम गहरी संवेदना जताते हैं और जो लोग घायल हुए हैं उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। हम इस हमले के साजिशकताओं, उन्हें वित्तीय सुविधा देने वालों और संगठनों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए सभी देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून व संयुक्त राष्ट्र के संबंधित नियमों के मुताबिक तत्काल कदम उठाने का आह्वान करते हैं। जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर कही ये बात क्वाड की उक्त बैठक से पहले अपने संबोधन में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहलगाम हमले के बारे में साफ तौर पर कहा था कि भारतीय नागरिकों पर इस तरह का आतंकी हमला आगे होगा तो फिर से जवाबी कार्रवाई की जाएगी। जयशंकर ने यह भी उम्मीद जताई थी कि क्वाड के सहयोगी देश सीमा पर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की संवेदनाओं को समझेंगे।क्वाड के विदेश मंत्रियों ने पूर्वी चीन सागर और दक्षिण चीन सागर में चीनी सेना की बढ़ती तैनाती पर गंभीर चिंता व्यक्त की। क्वाड के विदेश मंत्रियों ने उकसावेपूर्ण कार्रवाइयों को रेखांकित किया साथ ही स्वतंत्र व खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र और कानून के शासन, संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए क्वाड की दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। चीन का सीधे तौर पर उल्लेख नहीं करते हुए उन्होंने कहा, 'हम ताकत या दबाव के जरिये यथास्थित बदलने की किसी भी एकतरफा कोशिश के प्रति अपना कड़ा रिधि दोहराते हैं।' क्वाड के विदेश मंत्रियों ने खासतौर पर खतरनाक एवं उकसावेपूर्ण कार्रवाइयों को रेखांकित किया जिनमें अपतटीय संसाधनों के विकास में हस्तक्षेप, नेविगेशन एवं ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता में बार-बार रुकावट डालना और सैन्य विमानों, तटरक्षक पोतों व समुद्री जहाजों के खतरनाक अभ्यास शामिल हैं। उन्होंने आर्बिटल ट्रिब्युनल के 12 जुलाई, 2016 के फैसले को लागू करने की जरूरत पर बल दिया। ट्रिब्युनल ने दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावे के विरुद्ध फैसला सुनाया था। म्यांमार की खराब होती स्थिति पर भी गहरी चिंता व्यक्त की उन्होंने म्यांमार की खराब होती स्थिति पर भी गहरी चिंता व्यक्त की।

घाना की संसद को पीएम मोदी ने किया संबोधित, बोले- दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध; जानिए क्यों अहम है ये दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को घाना पहुंचे। यहां पहुंचते ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पिछले 30 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली घाना यात्रा है। पीएम मोदी ने घाना की संसद को भी संबोधित किया। पीएम ने कहा कि मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र हमारे लिए सिस्टम नहीं, संस्कार है। पीएम ने देशवासियों की तरफ से आभार जताते हुए कहा कि कल शाम का अनुभव बहुत ही मार्मिक था, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति जॉन महामा से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करना सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। पीएम बोले- सम्मानित महसूस कर रहा पीएम मोदी ने कहा, 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी।' उन्होंने कहा कि 'मैं घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करके बहुत ही सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या पर केंद्र और राज्य सरकारों पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सरकार के स्तर पर चुप्पी तथा बेरुखी देखी जा रही है। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह "सिस्टम" किसानों को मार रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने "पीआर" का तमाशा देख रहे हैं। राहुल गांधी ने ह्यएक्स' पर पोस्ट किया, "सोचिए.. सिर्फ तीन महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या यह सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार, जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार? वह चुप है। बेरुखी से देख रही है।" उन्होंने दावा किया, "किसान हर दिन कर्ज.में और गहराई तक डूब रहा है - बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है.. लेकिन एमएसपी की कोई गारंटी नहीं। जब वे कर्ज.माफी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "लेकिन जिनके पास करोड़ों रुपये हैं? उनके कर्ज मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए अनिल अंबानी का 48,000 करोड़ रुपये का एसबीआई फ्रॉड। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, "मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे - आज हालत ये है कि अन्नदाता की ज़िंदगी ही आधी हो रही है।" राहुल गांधी ने कहा, "यह सिस्टम किसानों को मार रहा है - चुपचाप, लेकिन लगातार.... और मोदी जी अपने ही पीआर का तमाशा देख रहे हैं।" भारतीय जनता पार्टी के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए "एक्स" पर एक चार्ट साझा किया, जिसमें दावा किया गया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-कांग्रेस सरकार के 15 साल के कार्यकाल के दौरान महाराष्ट्र में 55,928 किसानों ने आत्महत्या की। मालवीय ने कहा, मृतकों को गिनने की राजनीति घृणित है, लेकिन राहुल गांधी जैसे लोगों को आईना दिखाना जरूरी है।" भाजपा नेता ने कहा कि अपना मुंह खोलने से पहले राहुल गांधी को महाराष्ट्र में उनकी पार्टी की सरकार के कार्यकाल के दौरान द्वारा "किए गए पाप" को याद करना चाहिए। उन्होंने कहा, "पहले बताएं कि महाराष्ट्र में कांग्रेस-राकांपा (एसपी) सरकार के 15 वर्षों में 55,928 किसानों ने आत्महत्या क्यों की?"

पर्यावरण और वन संरक्षण पर मोदी सरकार का रिकॉर्ड भरोसे के लायक नहीं: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार का अब तक का 'ट्रैक रिकॉर्ड' ऐसा नहीं रहा है कि उस पर पर्यावरण, वन संरक्षण और संबंधित मुद्दों पर पूरा ध्यान देने के लिए भरोसा किया जाए। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कई नागरिक संगठनों और कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए हालिया पत्र का उल्लेख किया। रमेश ने ह्यएक्स' पर पोस्ट कर कहा, "हाल ही में 150 नागरिक संगठनों और कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर वन अधिकार अधिनियम, 2006 को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की भूमिका पर गंभीर चिंता जताई है।" उन्होंने कहा, "पत्र में पांच अहम बिंदुओं को रेखांकित किया गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा दिए गए खुद के ऐसे बयान..., जिनमें वन अधिकार अधिनियम, 2006 को देश के प्रमुख वन क्षेत्रों के क्षरण और नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।" उन्होंने कहा, "वन अतिक्रमण को लेकर कानूनी तौर पर अपुष्ट आंकड़ों को लगातार संसद और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सामने पेश किया गया। जून, 2024 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा देशभर के टाइगर रिजर्व से लगभग 65,000 परिवारों को बेदखल करने का आदेश दिया गया।" उन्होंने पत्र का हवाला देते हुए दावा किया कि भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा पिछले एक दशक में वन क्षेत्र में आई गिरावट के लिए वन अधिकार अधिनियम को गलत तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया। रमेश ने कहा, " 2023 में बिना पर्याप्त संसदीय चर्चा के पारित किया गया वन (संरक्षण) अधिनियम संशोधन और उसके तहत लागू किए गए ह्यवन संरक्षण एवं संवर्धन नियम, 2023' -का प्रतिकूल असर वनों पर पड़ा है।" उनके मुताबिक, ये सभी मुद्दे विशेष रूप से आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले अन्य समुदायों के लिए अत्यंत अहम हैं, जिनकी आजीविका जंगलों पर निर्भर है तथा ये भारत की पारिस्थितिकीय सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी हैं। रमेश ने

संजय राउत का बीजेपी पर बड़ा हमला बोले- भाजपा अब डी गैंग बन गई है...

महाराष्ट्र (एजेंसी): आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की समीक्षा को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गुरुवार को चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। राउत ने आरोप लगाया कि अब चुनाव आयोग निष्पक्ष संस्था नहीं रह गया है और पूरी तरह बीजेपी के प्रभाव में काम कर रहा है। राउत ने कहा, "चुनाव आयोग अब केवल नाम का बचा है, कोई सुनवाई नहीं होती और न ही कार्रवाई। आयोग अब बीजेपी में ही शामिल हो गया है। ऐसे में जनता न्याय की उम्मीद किससे करे?" संजय राउत ने आरोप लगाया कि नाशिक में शिवसेना (यूबीटी) के कुछ पदाधिकारियों के खिलाफ झूठे आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि असली अपराधी भाजपा में शामिल किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कल तक जिन्हें गुनहगार" कहा जा रहा था, वे अब मंत्रियों के बंगलों पर दिखाई दे रहे हैं। कहीं ऐसा न हो कि कल को पहलगाम हमले के आतंकी भी बीजेपी में शामिल हो जाएं, राउत ने तंज कसते हुए कहा। दिशा सालियान केस पर फडणवीस से माफी की मांग राउत ने दिशा सालियान मामले का जिक्र करते हुए कहा कि अब जब सच सामने आ चुका है तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और एकनाथ शिंदे ने आदित्य ठाकरे की छवि खराब करने के लिए इस मामले का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, नारायण राणे और उनके बेटे नीतीश राणे फडणवीस और शिंदे को आदित्य ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी डरपोकों की गैंग बन गई है राउत बीजेपी में हालिया शामिल हो रहे नेताओं को लेकर संजय राउत ने तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि बलात्कारी भ्रष्टाचारी और घोटालेबाज अब सीधे भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

कांग्रेस, राजद जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य, सत्ता में बने रहना, राजनाथ सिंह का तीखा हमला- नफरत की राजनीति करती है विपक्ष

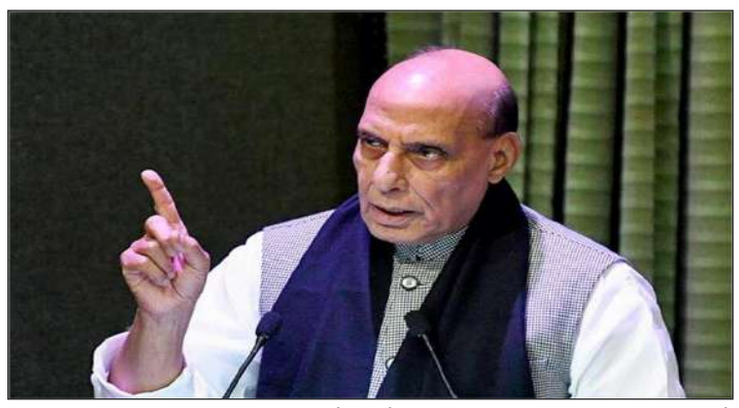

पटना (एजेंसी): रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसे दलों का सत्ता में बने रहना ही उद्देश्य है। राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस और राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का एक ही उद्देश्य है, सत्ता में बने रहना, जबकि भाजपा का उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है, ऐसी नीतियां बनाना है, जिनमें समाज के हर वर्ग का विकास हो। सभी को आत्मसम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले, यह भी हमारी सरकार ने ही किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सभी भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत हैं। केन्द्रीय मंत्री ने इस साल होने वाले चुनाव में फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की दो तिहाई बहुमत से सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि राजग की सरकार के कार्यकाल में बिहार में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि बिहार विकसित राज्य बनेगा। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात है कि बिहार के चाहे मुख्यमंत्री हों, उप मुख्यमंत्री हों या मंत्री, किसी पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं है। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष नफरत की राजनीति करती है, जबकि भाजपा सेवा और विकास की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता का फर्ज है कि वह हर घर तक पहुंचे और मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दे। हमें लोगों को यकीन दिलाना है कि यदि कोई बिहार का खोया गौरव लौटा सकता है, तो वह भाजपा और राजग है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और इसका मकसद सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि समाज को जोड़ना और हर व्यक्ति की गरिमा को बनाये रखना है। BJP के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भाजपा में हर कार्यकर्ता सेवा भाव से ही काम करता है, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न बैठा हुआ हो। यही हमारी पार्टी की मजबूती का आधार है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि भारतीय जनता पार्टी पूरी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है। सिंह ने कहा कि यह केवल एक संगठन की बैठक मात्र नहीं है, बल्कि एक संकल्प सभा है, उस संकल्प की सिद्धि के लिए जो बिहार और भारत दोनों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हमें लेना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में यह सिद्ध किया है कि भारत बदल सकता है और भारत आगे बढ़ सकता है, बशर्ते नेतृत्व सुदृढ़ हो, नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखा जाये। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का संकल्प केवल सत्ता प्राप्ति नहीं है, यह उस ऐतिहासिक अन्याय का प्रतिकार है

'भाजपा ने गुजरात का किया बेड़ा गर्क', केजरीवाल बोले- युवा 'आप' से जुड़े और राज्य की कमान संभालें

गुजरात (एजेंसी): आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 2027 में गुजरात जीतने को लेकर मेगा प्लान बनाया है। इस बाबत बुधवार को उन्होंने अहमदाबाद से गुजरात जोड़ो सदस्यता अभियान का आगाज किया। उन्होंने गुजरात के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि 9512040404 नंबर पर मिस्ड कॉल कर 'आप' से जुड़कर ईमानदारी, विकास व बदलाव की इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनें और गुजरात की बागड़ोर संभालें। विसावदर की जीत सिर्फ एक सीट की नहीं है, बल्कि ईमानदारी की जीत है। अब यह बदलाव पूरे गुजरात में गूंजेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल बीजेपी की नौकरी करती है, सिर्फ आम आदमी पार्टी देश और गुजरात के लोगों की सेवा करती है। 30 साल से गुजरात में कोई विकल्प नहीं होने से बीजेपी को घमंड हो गया था कि जनता कहां जाएंगी, वोट तो उसे ही देगी। लेकिन अब गुजरात में 'आप' एक सशक्त विकल्प बन चुकी है। 2027 में 'आप' सरकार बनाएगी। जनता का राज आएगा और भ्रष्टाचारियों का राज जाएगा। इस दौरान गुजरात प्रदेश प्रभारी गोपाल राय, सह प्रभारी गुलाब सिंह यादव, दुर्गेश पाठक, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी, डेडियापाड़ा विधायक चैतर वसावा, जाम जोधपुर विधायक हेमंत खवा, विसावदर विधायक गोपाल इटालिया एवं गुजरात संगठन मंत्री मनोज सोरठिया उपस्थित रहे। अब गुजरात बदलाव चाहता है- केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उपचुनाव में जीत के लिए कार्यकताओं को विसावदर की जनता को बधाई देते हुए कहा कि विसावदर की जीत कोई मामूली जीत नहीं है। विसावदर की जीत के जरिए भगवान बड़ा संदेश देना चाहता है कि गुजरात अब बदलाव चाहता है। यह जीत कोई इत्तेफाक नहीं है कि इसी सीट से 2022 में हम जितने वोट से जीते थे, इस बार उसी सीट पर हुए उपचुनाव में हम तीन गुना ज्यादा वोटों से जीते। अक्सर उपचुनाव में राज्य में सत्ताधारी दल की जीत होती है। गुजरात में बीजेपी की 30 साल से सरकार है। बीजेपी का प्रशासन पर जबरदस्त जकड़ है। बीजेपी को साम, दाम, दंड, भेद कुछ भी गलत काम करने से परहेज नहीं है। बीजेपी ने गुंडागर्दी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन्होंने गोपाल इटालिया को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिर भी इतने प्रचंड मतों के अंतर से जीतना कुदरत का बड़ा संदेश ही है। बीजेपी ने गुजरात का बेड़ा गर्क कर दिया अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवान जनता के जरिए बोलते हैं। विसावदर में जीत दिलाकर भगवान कहना चाहते हैं कि गुजरात में कांग्रेस ने 30 साल तक राज किया और 30 साल से बीजेपी राज कर रही है, लेकिन अब समय का चक्र घूम गया है और बीजेपी के जाने का समय आ गया है। अब गुजरात की सत्ता में नई और देशभक्त पार्टी आएगी जो अच्छा काम करेगी। बीजेपी-कांग्रेस ने मिलकर गुजरात का बेड़ा गर्क कर दिया है। सूरत जैसे शहर में बाढ़ आई है, घरों के अंदर पानी घुस गया है। लोग यहां करोड़ों रुपए के फ्लैट ले रखे हैं। पानी में टेलीविजन, सोफे डूब गए। विसावदर उपचुनाव के लिए प्रचार के लिए मैं जूनागढ़ जाने के लिए राजकोट में उतरा। आज दुनिया भर में शानदार सड़कें बन रही हैं, जिन पर गाड़ियां 100-150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं। लेकिन राजकोट से जूनागढ़ जाने में मुझे 3.30 घंटे लग गए। 35 किमी प्रति घंटे की गति से गाड़ी चलानी पड़ी। 30 साल में बीजेपी सड़क तक नहीं बना सकी। जनता ने बीजेपी को अच्छा काम करने के लिए चुना था अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 1995 में बीजेपी की गुजरात में सरकार बनी थी

संपादकीय

सख्त हिदायत

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'न्यूजवीक' के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही। जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे। साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है। यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं। पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है, बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा। मानना होगा कि यह किसी मुल्क विशेष की बजाय आतंकवाद के खिलाफ जारी मुहिम है।

स्वामी विवेकानंदः विचारों के युगद्दष्टा, युवाओं के पथप्रदर्शक

योगेश कुमार गोयल

स्वामी विवेकानंद सदैव युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तित्व के धनी माने जाते रहे हैं, जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में समूचे विश्व को अपने अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए, जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। विवेकानंद के बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को खाना खिलाते थे और बाहर ठंड में सो जाते थे। मानवता के वे कितने बड़े हितैषी थे, यह उनके इस वक्तव्य से समझा जा सकता है कि भारत के 33 करोड़ भूखे, दरिद्र और कुपोषण के शिकार लोगों को देवी-देवताओं की भांति मंदिरों में स्थापित कर दिया जाए और मंदिरों से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटा दिया जाए। विवेकानंद का व्यक्तित्व कितना विराट था, यह गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है कि अगर आप भारत को जानना चाहते हैं तो आप विवेकानंद को पढ़िए। विवेकानंद का कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए। उन्होंने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात् 'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया।

वे एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिनकी ओजस्वी वाणी सदैव युवाओं के लिये प्रेरणास्रोत बनी रही। विवेकानंद ने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। युवा वर्ग से उन्हें बहुत उम्मीदें थीं और युवाओं की अहम् भावना को खत्म करने के उद्देश्य से ही उन्होंने अपने एक भाषण में कहा भी था कि यदि तुम स्वयं ही नेता के रूप में खड़े हो जाओगे तो तुम्हें सहायता देने के लिए कोई भी आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए यदि सफल होना चाहते हो तो सबसे पहले अपने अहम् का नाश कर डालो। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र, बुद्धिमत्ता, दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता, खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने एक मंत्र दिया था, 'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' अर्थात् 'उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक कि मंजिल प्राप्त न हो जाए।' ऐसा अनमोल मूलमंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद ने सदैव अपने क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारों से युवा पीढ़ी को ऊर्जावान बनाने, उसमें नई शक्ति एवं चेतना जागृत करने और सकारात्कमता का संचार करने का कार्य किया।

युवा शक्ति का आव्हान करते हुए स्वामी विवेकानंद ने अनेक मूलमंत्र दिए, जो देश के युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उनका कहना था, 'ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। वो हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। मेरा विश्वास युवा पीढ़ी में है, आधुनिक पीढ़ी से मेरे कार्यकर्ता आ जाएंगे। डर से भागो मत, डर का सामना करो। यह जीवन अल्पकालीन है, संसार की विलासिता क्षणिक है लेकिन जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे वास्तव में जीते हैं। जो भी कार्य करो, वह पूरी मेहनत के साथ करो। दिन में एक बार खुद से बात अवश्य करो, नहीं तो आप संसार के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति से मिलने से चूक जाओगे। उच्चतम आदर्श को चुनो और उस तक अपना जीवन जीयो। सागर की तरफ देखो, न कि लहरों की तरफ। महसूस करो कि तुम महान हो और तुम महान बन जाओगे। काम, काम, काम, बस यही आपके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। धन पाने के लिए कड़ा संघर्ष करो पर उससे लगाव मत करो। जो गरीबों में, कमजोरों में और बीमारियों में शिव को देखता है, वो सच में शिव की पूजा करता है। पृथ्वी का आनंद नायकों द्वारा लिया जाता है, यह अमोघ सत्य है, अतः एक नायक बनो और सदैव कहो कि मुझे कोई डर नहीं है। मृत्यु तो निश्चित है, एक अच्छे काम के लिए मरना सबसे बेहतर है। कुछ सच्चे, ईमानदार और ऊर्जावान पुरुष और महिलाएं एक वर्ष में एक सदी की भीड़ से अधिक कार्य कर सकते हैं। विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।'

11 सितम्बर 1893 को शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए लेकिन उनकी कीर्ति युगों-युगों तक जीवंत रहेगी। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं।

भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकषर्ण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चिंता : फुहारों के साथ डूबती यमुना

पंकज चतुर्वेदी

बीते डेढ़ महीने में राजधानी दिल्ली पर कुल चार बार ठीकठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही दिल्ली ठिठक गई। तीन दशकों से लाख दावों के बावजूद हर साल जलभराव वाले स्थानों की संख्या बढ़ रही है। 2023 में जहां जलभराव के 308 बिंदु चिन्हित किए गए थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या बढ़ कर 410 हो गई है।

अब तो डूबने का दायरा वीआईपी कहलाने वाली लुटियन दिल्ली तक आ गया है। पानी भरते ही दो बातें सामने आती हैं। एक तो इस महीने या फिर इतने कम समय में इतना अधिक पानी कितने साल बाद बरसा। दूसरा, नायलॉन की सफाई और सीवर तंत्र का पुराना होना। समझना होगा कि दिल्ली बसी ही इसलिए थी कि यहां से यमुना बह रही थी। दिल्ली का जलभराव हो या फिर प्यास, उसका एकमात्र इलाज यमुना ही है। दिल्ली में जलभराव का कारण यमुना का गाद और कचरे के कारण इतना उथला हो जाना है कि महज एक लाख क्यूसेक पानी आ जाए तो इसमें बाढ़ आ जाती है। नदी की जल ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद (सिल्ट), रेत, सीवरेज, पूजा-पाठ सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। नदी की गहराई कम हुई तो इसमें पानी भी कम आता है। आजादी के 77 साल में कभी भी नदी की गाद साफ करने का कोई प्रयास हुआ ही नहीं, जबकि नदी में कई निर्माण परियोजनाओं के मलबे को डालने से रोकने में एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश नाकाम रहे हैं।

1994 से लेकर अब तक यमुना एक्शन प्लान के तीन चरण आ चुके हैं, हजारों करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं पर यमुना में गिरने वाले दिल्ली के 21 नालों की गाद भी अभी तक नहीं रोकी जा सकी। जब महानगर के बड़े नाले गाद से बजबजाते हैं, तो जलभराव की चोट दोधारी होती है। जब नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है, और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है। ऐसे में नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले फिर पलट कर सड़कों को दरिया बना देते हैं। कभी यमुना का बहाव और हाथी डुब्बा गहराई आज के मयूर विहार, गांधी नगर, ओखला, अक्षरधाम तक हुआ करता था।

एक तरफ ढेर सारी वैध-अवैध कालोनियों और सरकारी भवनों के कारण नदी की चौड़ाई कम हुई तो दूसरी तरफ गहराई में गाद भर दी। इस तरह जीवनदायी बरसात के जल को समेटने वाली जल धार को कूड़ा ढोने की धार बना दिया गया। वहीं शहर के छह सौ से अधिक तालाब-झीलों तक बरसात का पानी आने के रास्ते रोक दिए गए। दुर्भाग्य है कि कोई भी सरकार दिल्ली में आबादी को बढ़ने से रोकने पर काम कर नहीं रही। इसका खमियाजा भी यमुना को उठाना पड़ रहा है, हालांकि इसकी मार भी उसी आबादी को पड़ रही है। सभी जानते हैं कि दिल्ली जैसे विशाल आबादी वाले इलाके में हर घर पानी और मुफ्त पानी बड़ा चुनावी मुद्दा है, और जब नदी-नहर पानी की कमी पूरी कर नहीं पाते तो जमीन में छेद कर पानी उलिछा जाता है, यह जाने बगैर कि इस तरह भूजल स्तर से बेपरवाही का असर यमुना के जल स्तर पर ही पड़ रहा है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के एक शोध के मुताबिक, यमुना के बाढ़ क्षेत्र में 600 से अधिक आर्दभूमि और जल निकाय थे, लेकिन उनमें से 60% से अधिक अब सूखे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ह्ययमुना बाढ़ क्षेत्र में यमुना से जुड़ी कई जल-तिजोरियों का संपर्क तटबंधों के कारण नदी से टूट गया।ह्ल समझना होगा कि अरावली से चल कर नजफगढ़ झील में मिलने वाली साहबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सराय कालेखां के पास बारापुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सतपुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता था तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। एनजीटी में इन सभी जल मागरे को बचाने के मुकदमे चल रहे हैं लेकिन इन पर अतिक्रमण अनवरत जारी है। सो, न अब बरसात का पानी तालाब में जाता है, और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जलजमाव रुक पाता है।

वैसे, एनजीटी 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास ह्यबांस घरह्ल के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। जान लें कि यदि दिल्ली को जलभराव से नहीं जूझना है तो यमुना अविरल बहे, उसकी गहराई और पाट बचे रहें, यही अनिवार्य है। यह बात कोई जटिल रॉकेट साइंस नहीं है। लेकिन बड़े ठेके, बड़े दावे, नदी से निकली जमीन पर और अधिक कब्जे का लोभ यमुना को जीवित रहने नहीं दे रहा। तैयार रहिए, भले ही अदालत डांटती रहे-अपनी संपदा यमुना को चोट पहुंचाने के चलते सावन-भादों में तो हर फुहार के साथ दिल्ली डूबेगी ही!

भारत-अमेरिका : खोलेंगे व्यापार के द्वार

एक जुलाई को अमेरिका के व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत जल्द इसी माह जुलाई के पहले सप्ताह में एक व्यापार समझौता दिखाई दे सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका और भारत, दोनों देशों के बीच होने वाले इस समझौते की घोषणा करेंगे। उल्लेखनीय है कि 26 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन में बिग ब्यूटीफल बिल इवेंट में भारत के साथ शानदार व्यापार समझौते का संकेत दिया है।

यह बात पिछले दिनों दोनों देशों के अधिकारियों की टीम की ओर से व्यापार समझौते के लिए विभिन्न विषयों, औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और गैर-टैरिफ अड़चनों आदि पर चार दिवसीय बंद बातचीत के बाद सामने आई है। ट्रंप ने कहा, 'हमने चीन के साथ भी अच्छा व्यापार समझौता किया है। लेकिन हम हर किसी देश के साथ समझौतें नहीं करने जा रहे हैं। कुछ देशों को हम बस एक पत्र भेजेंगे, जिसमें लिखा होगा बहुत-बहुत धन्यवाद, आपको 25, 35, 45 फीसद टैरिफ देना होगा।'

गौरतलब है कि इसी वर्ष 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में द्विपक्षीय व्यापार वार्ता हुई थी। इसी के मद्देनजर हाल में अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटिनक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया के अंतिम दौर में हैं, जिससे दोनों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा।

साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता 9 जुलाई के पहले पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। अब नये संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमेरिका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमेरिका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है। भारत अमेरिका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमेरिका में होने वाला निर्यात बढ़े जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमेरिका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ वाइन, एथनॉल, कई औद्योगिक आइटम्स और कुछ खाद्य आइटम्स के शुल्क में छूट चाहता है।

वस्तुतः इस तरह के अंतरिम व्यापार समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग सकते थे। अमेरिका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापार समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमेरिका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। साथ ही, भारत-अमेरिका के बीच बीटीए को 31 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि विगत 2 अप्रैल को ट्रंप ने भारत के 56 फीसद टैरिफ के जवाब में 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। 10 अप्रैल को ट्रंप ने इसे घटा कर 9 जुलाई तक के लिए 10 फीसद कर दिया। वास्तव में अमेरिका ने दूसरे कई देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगाया है। निश्चित रूप से अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा आईफोन निमार्ता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमेरिका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमेरिका में 25 फीसद टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विस्तार जारी रखने का संकेत दिया है।

खास तौर से करीब 146 करोड़ आबादी के विशाल भारतीय बाजार की अमेरिका अनदेखी नहीं कर सकता। भारत में एग्री सेक्टर में ट्रंप अमेरिकी मक्का और गेहूं की उपज को खपाना चाहता है। ट्रंप अमेरिका के डेयरी प्रोडेक्ट्स भी भारत में बेचना चाहते हैं। चूंकि भारत की करीब 55 फीसद आबादी खेती पर निर्भर है, अतएव भारत ने अपना एग्रो मार्केट यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड के लिए नहीं खोला है। अमेरिका भारत के फार्मेसी बाजार में भी लाभ कमाना चाहता है। फार्मास्यूटिकल जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में भारत दुनिया में पहले क्रम पर है। अमेरिका को अपने सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चलाने के लिए किफायती दरों पर जेनेरिक दवाओं का बड़े पैमाने पर आयात जरूरी है। चूंकि अमेरिका सर्विस सेक्टर, आईटी, बीपीओ और डिजिटल सर्विसेज में भारतीय टैलेंट पर निर्भर है। अतएव अमेरिका ट्रेड डील में सर्विस सेक्टर के भी लाभ चाहता है।

निश्चित रूप से 26 जून को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में बिग ब्यूटीफल बिल इवेंट में भारत के साथ बहुत बड़े और शानदार व्यापार समझौते के जो संकेत दिए हैं, उसके बाद यह उभर कर सामने आ रहा है कि अब 9 जुलाई के पहले अंतरिम व्यापार समझौता आकार ले सकेगा। फिर दिसम्बर, 2025 तक बीटीए से भारत अमेरिका कारोबार तेजी से बढ़ता दिखाई दे सकेगा। ज्ञातव्य है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार भी बढ़ कर 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

यह महत्त्वपूर्ण है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 फीसद बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमेरिका से आयात 7.44 फीसद बढ़ कर 45.33 अरब डॉलर हो गया जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। उम्मीद करें कि भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई के पहले अंतरिम व्यापार समझौता तथा दिसम्बर, 2025 तक बीटीए दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार अवसरों का सृजन होगा। इसके साथ-साथ भारत दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनने की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

(लेख में विचार निजी हैं)

50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालय को मर्ज करने के विरुद्ध विधायक प्रतिनिधि को सोपा ज्ञापन

स्कूल मर्ज करने का आदेश प्रदेश सरकार को जनहित में तत्काल वापस लेना चाहिए

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले विकास क्षेत्र गंगेश्वरी एवं हसनपुर के शिक्षकों ने पदाधिकारियों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन विधायक हसनपुर के प्रतिनिधि देवेंद्र खड़कवंशी को सौंपा।जिसमें 50 छात्र संख्या से कम विद्यालयों को मर्ज करने के विरोध में सभी शिक्षकों ने एक स्वर में इस आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी रामवीर सिंह हसनपुर ब्लॉक अध्यक्ष होमपाल सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से कहा कि स्कूल मर्ज करने का आदेश प्रदेश सरकार को जनहित में तत्काल वापस लेना चाहिए। अतः प्रदेश सरकार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री जी से जनहित में मांग करते हुए मर्ज करने संबंधी आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। कहा की इस निर्णय का पुरजोर विरोध हो रहा है। अतः इस फैसले पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक

विद्यालय एवं 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को सरप्लस घोषित कर दिया गया है। इससे पूर्व भी एक ही परिसर में स्थित विद्यालयों को संविलियन करके प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के पद समाप्त कर दिए गए हैं। वर्तमान में चल रही मर्जर प्रक्रिया से जहां छात्रों की विद्यालयों की दूरी अधिक होगी वहीं हजारों रसोइयों की सेवा समाप्त हो जाएगी। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रधान अध्यापकों एवं ग्राम प्रधानों को विद्यालय बंद करने के समर्थन में प्रस्ताव मांगे जा रहे हैं। लोकतंत्र में इस प्रकार विद्यालय बंद करके शिक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा हैं। अतः मांग की जाती है कि मर्जर प्रक्रिया के आदेश को तत्काल रोक लगाते हुए इस प्रक्रिया को निरस्त किया जाए। स्कूल मर्ज करने का आदेश प्रदेश सरकार को जनहित में तत्काल वापस लेना चाहिए। कहा कि गांव परिवेश के गरीब बच्चे दूसरे गांव संसाधनों के अभाव में विद्यालय नहीं जा पाएंगे। इसके अलावा यातायात के साधन भी उपलब्ध नहीं है। सुरक्षा की दृष्टि से भी दो-तीन किलोमीटर पैदल चलकर विद्यालय जाना बच्चों के लिए संभव नहीं है। अतः इस फैसले पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर ब्लॉक मंत्री हसनपुर इरशाद अली, संयुक्त मंत्री गंगेश्वरी महताबुद्दीन, विजेंद्र सिंह, सौरभ जिंदल, विनोद कुमार गौतम, देवेंद्र शर्मा,गौरव नागर,गौतम सिंह,दलीप तोड़ीवाल,अरविंद कुमार, गजेंद्र ढाका, कुलदीप सिंह, सोम सिंह,सत्यवीर सिंह, प्रियंका चौहान, पलक गुप्ता, दीप्ति वर्मा, जयवीर सिंह, प्रवीण कुमार, योगेश कुमार, अभिषेक कुमार आदि मौजूद है।

ज्ञापन सौंप कर विद्यालयों के विलय की प्रतिक्रिया रोकने की मांग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्मा:- परिषदीय विद्यालयों के विलय करने के निर्णय के विरोध में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी के प्रतिनिधि मंडल बृहस्पतिवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री/विधायक कांठ कमाल अख्तर से मिला। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सोपा। विद्यालयों के विलय पर रोक लगाने के लिए प्राथमिक और जूनियर स्कूलों के मर्ज किए जाने की योजना के विरोध में गुरुवार को प्राथमिक शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया। शिक्षकों ने अनुरोध क्या है की शासन की जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बच्चों के हित में नहीं है। छात्रों के हित को देखते हुए इस निर्णय पर पूर्ण विचार करने का अनुरोध किया गया। इससे छात्रवृत्ति एवं अभिभावक हित दोनों सुरक्षित रह सकते हैं।गांव के विद्यालय केवल

शिक्षा का केंद्र नहीं होते अपितु वे ग्राम्य संस्कृति, सामाजिक समरसता, एवं जन चेतना का केंद्र भी होते हैं। विद्यालयों को बंद होने से न केवल शिक्षा का नुकसान हो रहा है बल्कि प्राचीन समाज की सामाजिक आत्मा भी आहत हो रही है। यह निर्णय भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 ए में लिखित मौलिक अधिकारों का भी स्पष्ट उल्लंघन करता है। इस अवसर पर रामवीर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष गंगेश्वरी होमपाल चौहान ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर इरशाद ब्लॉक मंत्री हसनपुर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोम सिंह गौरव नागर उपाध्यक्ष मेहताबुद्दीन देवेंद्र शर्मा, ब्रह्म ज्ञान, विजेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार,सौरभ जिंदल ओमपाल सिंह, प्रकांत त्यागी, दिलीप थोड़ीवाल, बादल चौहान, रंजीत कुमार, राजेश सांगवान, आकाश त्यागी, आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षक विधायक को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के सद्स्यों व पदाधिकारियों ने शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों को उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से वर्तमान में चलाई जा रही मर्जर प्रक्रिया के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से संघ के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लों को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हजारों विद्यालयों को पेयरिंग के नाम पर बंद किया जा रहा है,प्रदेश में 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय एवं 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापक को सरप्लस घोषित कर दिया गया

है,इसके पूर्व भी एक परिसर में स्थित लगभग 20 हजार विद्यार्थियों का संविलियन करके प्राथमिक विद्यालय के प्रधान अध्यापकों के पद समाप्त कर दिए गए।वर्तमान में चल रही मर्जर प्रक्रिया से जहां छात्रों से विद्यालयों की दूरी अधिक होगी वहीं हजारों रसोईयों की सेवा समाप्त हो जाएगी।इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधान विद्यालय प्रबंध समिति पर दबाव बनाकर विद्यालय बंद करने के संबंध में प्रस्ताव मांगे जा रहे हैं।लोकतंत्र में इस प्रकार विद्यालय बंद करके जो नौनिहालों की शिक्षा से खिलवाड़, हजारों प्रधानाध्यापक को के पद एवं रसोइयों की सेवा समाप्ति जैसे निर्दयी एवं कठोर निर्णय की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए दिनांक 30 जून 2025 को प्रदेश के 822 ब्लॉकों में संघ पदाधिकारी बंद किए जाने वाले विद्यालयों के छात्रों के अभिभावकों एवं ग्राम प्रधानों की बैठक में इस निर्णय के विरुद्ध जबरदस्त रोष देखने को मिला बैठकों में उपस्थित शिक्षक एवं जन समुदाय ने एक स्वर में इस निर्णय का विरोध करने का प्रस्ताव पारित किया है।इस दौरान वहां पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के दर्जनों से अधिक सदस्य एवं पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

सात मुहर्रम के जुलूस में गूंजी या हुसैन या हुसैन की सदाएं

अजादारों ने की नौहा ख्वानी और सीनाजनी

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में सात मुहर्रम का जुलूस अपने रिवायती अंदाज में निकाला गया। जुलूस में लोग नंगे पैर, नंगे सिर चल रहे थे। हाथों में हरे व काले अलम उठाए हुए थे। उझारी में हर साल की तरह इस साल भी सात मोहर्रम का जुलूस नगर के मोहल्ला सादात स्थित इमामबारगाहे अबू तालिब से प्रारंभ हुआ। यहां से यह जुलूस मर्सियाख्वानी करते हुए हुसैनी चौक, इमामबारगाहे बाबुल हवाईज, चांदनी चौक, भाटों वाला कुआं पहुंच। वहां से नोहाख्वानी और मातम प्रारंभ हो गया। उसके बाद यह जुलूस मैन मार्केट, मदरसा चौक, मौहल्ला देसलान, मोहल्ला कुम्हारान, गोल इमामबाड़ा, हुसैनी चौक होता हुआ इमामबारगाहे बाबुल हवाइज में पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में लोग नंगे सिर और नंगे पांव चल रहे थे। लोगों के हाथों में काले व हरे रंग के आलम थे। या हुसैन या हुसैन की सदाएं बुलंद हो रही थीं। जुलूस में मुख्य रूप से नूरुल हसन, जावेद केसर, मौ० जामिन, कल्बे अब्बास, अकबर मेहंदी, शाने असगर, आफाक बाकरी, मौलाना मशरकैन रिजवी, मौलाना आसिफ रजा बाकरी, शकील अलवी, बिलाल बाकरी, कमर मेहंदी, हुसैन मेहंदी, अलाउद्दीन सैफी, जफर अब्बास, आदिल जैदी, मौ० सादिक, अली चांद, सोहेल अब्बास, मौ० राहिल, मौ० अब्बास, डॉ राशिद, मौ० एजाज, सुल्तान हैदर, बंदे हसन, मेहंदी हसन आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गजरौला क्षेत्र में खनन माफियाओं ने महिला पर किया जानलेवा हमला

खनन माफियाओं द्वारा फसल बर्बाद करने का कर रही थी विरोध

गजरौला (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- क्षेत्र में खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गये है कि अब वह अपनी मंशाओं पूरा करने के लिए किसी की भी फसल को भी बर्बाद करने पर उतारू हो गये है जिसका एक जीता जागता प्रमाण गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव बड़ा सुरपुरा कलां का सामने आया है जहां खनन माफियाओं ने अपने खनन के कारोबार को करने के लिए गांव निवासी एक महिला की खेती को बर्बाद कर दिया जिसका महिला ने विरोध किया तो खनन माफियाओं ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव बड़ा सुरपुरा कलां का है जहां

रुखसाना का परिवार रहता है। उनके ही परिवार के सदस्य फरमान व उनके परिजनों ने खनन माफियाओं को अपने खेत से मिट्टी उठाने के लिए ठेका दे दिया। खनन माफिया ने बिना परमिशन के खेत से मिट्टी उठानी शुरू कर दी। पीड़िता रुखसाना का कहना है कि खनन माफियाओं ने उसके खेत से ट्रैक्टर निकालने शुरू कर दिए, जिसकी वजह से उसकी खेती बर्बाद हो गई, पीड़िता रुखसाना और उसके पुत्र बदरुद्दीन ने जब इसका विरोध किया तो दबंग खनन माफियाओं व उनके ही परिवार के सदस्य फरमान ने जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें रुखसाना और उसका पुत्र बदरुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने थाने में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है फिलहाल पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया है।

श्री राम कथा:- भगवान धर्म की स्थापना एवं भक्तों के कष्टों को दूर करने के लिए अवतार लेते हैं:- पंडित छवि नाथ दुबे

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज जी द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्री राम कथा के तीसरे दिन की कथा में बनारस से आए कथा के व्यास पंडित छवि नाथ दुबे ने कहा कि जब जब समाज लोग धर्म विमुख कार्य करने लगते हैं तब तब तब धर्म की स्थापना एवं भक्तों के कष्टों को दूर करने के लिए अवतार लेते हैं। ईश्वर निराकार है भक्त अपने मन में जैसे रूप की कल्पना करते हैं भगवान उसी रूप में आकर भक्तों का कल्याण करते हैं। महारानी कौशल्या ने भगवान से पुत्र रूप में आने की इच्छा की तो पुत्र रूप में आए। भगवान शंकर भगवान राम के बाल स्वरूप के

दर्शन करने के लिए काकभुसुंडि के साथ आए। विश्वामित्र मुनि यज्ञ की रक्षा के लिए भगवान राम को रक्षक एवं दुष्टों का नाश करने की इच्छा से साथ लेकर गए तो उन्होंने यज्ञ की रक्षा करते हुए विघ्न कर्ता राक्षसों का वध किया। जीवन में किसी प्रकार का संकट आने पर सच्चे मन से याद करने प्रार्थना करने से संकट दूर करते हैं। जिन परिवारों का माहौल राम विमुख है जहां मयार्दा से दूर रह कर अनैतिक कार्य होते हैं वहां पर नरक का वास होता है। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, राजेंद्र मुनि ,केशव मुनि, सागर मुनि, उमेश मुनि, स्वामी प्रभा मुनि, छवि मुनि, महिपाल शर्मा, समय सिंह, जोगेंद्र सिंह, प्रभा मुनि राम सागर, कमलेश मुनि, कृष्ण मुनि , प्रवेश्वर मुनि, कमलेश मुनि, गंगेश्वर मुनि, सर्वेश ठाकुर, रक्षपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

नगरपालिका चलाएगी संचारी रोग नियंत्रण अभियान

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 01 जुलाई से 31 जुलाई तक अभियान चलाया जाएगा। उक्त के अनुपालन में गुरुवार को नगर पालिका परिषद चंदौसी के स्वास्थ्य विभाग कार्यालय के मीटिंग हॉल में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के संबंध में मीटिंग की गई। इस मीटिंग में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर हरविंद्र सिंह द्वारा बताया गया कि यह अभियान वेक्टर जनित रोगों, संचारी रोगों और इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित करने पर केंद्रित होगा। इसमें जागरूकता अभियान, स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा घरों का दौरा जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल होंगी। अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न विभाग मिलकर काम करेंगे। सफाई एवं खाद्य निरीक्षक प्रियंका सिंह द्वारा बैठक में उपस्थित सफाई नायकों /कार्यवाहक सफाई नायकों को बताया गया कि बरसात का मौसम आ गया है जगह-जगह जल भराव एवं सड़न से संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है इसलिए 01 जुलाई से 31 जुलाई तक नगर के सभी वार्डो में नाला/नाली सफाई, नालियों के किनारे स्थित घास अवश्य कटाएं ,फॉगिंग, एंटीलार्वा स्प्रे कार्य नियमित रूप से कराया जाना सुनिश्चित करे। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी धर्मराज राम, सुनील कुमार सफाई एवं खाद्य निरीक्षक ह ल ड से शहनवाज एवं समस्त वार्ड सुपरवाइजर आदि लोग उपस्थित रहे।

राजस्व विभाग के भूमि विवादों को सुलझाने में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे: एडीएम बृजेश कुमार त्रिपाठी

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला, अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस जिले में प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में अपर जिलाधिकारी (राजस्व) बृजेश कुमार त्रिपाठी का योगदान सराहनीय रहा है। उनके कुशल नेतृत्व और समर्पण ने जिले में राजस्व प्रशासन को न केवल मजबूत किया है, बल्कि आम जनता के लिए कई सुविधाएं भी उपलब्ध कराई हैं। उनके कार्यों ने न केवल प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाया है, बल्कि जिले की जनता के बीच विश्वास और सहयोग का माहौल भी बनाया है। बृजेश कुमार त्रिपाठी, पीसीएस अधिकारी, ने अमरोहा जिले में अपर जिलाधिकारी (वित्त और राजस्व) के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ किया है। उनके कार्यालय, जोया रोड, अमरोहा में स्थित, जिले के राजस्व प्रशासन का केंद्र बिंदु है। उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में भूमि राजस्व संग्रह, भूमि रिकॉर्ड्स का रखरखाव, और भूमि अधिग्रहण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा, वे जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बृजेश कुमार त्रिपाठी ने जिले में राजस्व ग्रामों की खतौनी के पुनरीक्षण और खातेदारों के हिस्से के निर्धारण जैसे जटिल कार्यों को कुशलता से संभाला है। उनकी देखरख में, अमरोहा की चार तहसीलों–सदर (अमरोहा),

धनौरा, हसनपुर, और नौगांव सादात–में राजस्व प्रशासन को और अधिक पारदर्शी और जन-उन्मुख बनाया गया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हुए राजस्व रिकॉर्ड्स को अपडेट करने और आम लोगों के लिए इसे सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि भ्रष्टाचार की संभावनाओं को भी कम किया गया है। उनके नेतृत्व में, अमरोहा जिले में कई विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उपभोज्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। इसके अलावा, उन्होंने जिले के विभिन्न ब्लॉकों में विकास कार्यों के समन्वय और निगरानी में भी सक्रिय भागीदारी की है। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़क, पानी, और बिजली, की स्थिति में सुधार हुआ है। बृजेश कुमार त्रिपाठी का जनता के प्रति संवेदनशील रवैया भी उनकी कार्यशैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वे नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित करते हैं, जिसमें आम लोग अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं। उनकी यह पहल जिले में प्रशासन और जनता के बीच एक मजबूत सेतु का काम कर रही है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जिले में अवैध अतिक्रमण और भूमि विवादों को सुलझाने में भी सक्रियता दिखाई है, जिससे जिले में शांति और व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली है। उनके कार्यों की सराहना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि उच्च प्रशासनिक हलकों में भी की जा रही है। उनके नेतृत्व में अमरोहा जिला प्रशासन ने कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं। बृजेश कुमार त्रिपाठी का यह समर्पण और कार्यकुशलता अन्य अधिकारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। बृजेश कुमार त्रिपाठी का अमरोहा जिले में योगदान न केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि कैसे एक समर्पित अधिकारी जनता के हित में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उनके प्रयासों से अमरोहा जिला न केवल प्रशासनिक रूप से मजबूत हुआ है, बल्कि विकास और समृद्धि के पथ पर भी अग्रसर है।

वन महोत्सव के अंतर्गत ब्लॉक प्रमुख गुरेंदर सिंह ढिल्लों ने किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वन महोत्सव के अवसर पर जिले में वृक्षारोपण किया जा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में वृक्षारोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया था। जिसको लेकर अमरोहा के सभी विकास खंडों ओर स्कूलों में वृक्षारोपण किया गया। इस आज जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शानुसार जनपद में वन महोत्सव के अंतर्गत सहकारी कताई मिल याहियापुर में ब्लॉक प्रमुख गुरेंदर सिंह ढिल्लों ने वृक्षारोपण किया। ब्लॉक प्रमुख गुरेंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि पर्यावरण हमें जीवन के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करता है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और उपजाऊ मिट्टी के बिना जीवन असंभव है। वायु में ऑक्सीजन हमें सांस लेने की शक्ति देती है, जबकि जल हमारे शरीर और कृषि के लिए अनिवार्य है। मिट्टी खाद्य उत्पादन का आधार है, जो मानव और पशुओं के भोजन की जरूरतों को पूरा करती है। इसके अलावा, जंगल और वनस्पति पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके और ऑक्सीजन छोड़कर वायु को शुद्ध करते हैं। साथ ही, जंगल जलवायु को नियंत्रित करते हैं और मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। इसी प्रकार बाटुपुरा बीट के राजकीय हाई स्कूल खुंगावली में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भाकियू शंकर ने किसान समस्याओं को लेकर एसडीएम नौगावां को सौंपा ज्ञापन

6 जुलाई तक समस्याओं के निस्तारण न होने पर 7 जुलाई को कलेक्ट्रेट पर आंदोलन की चेतावनी

नोगावा शादात/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को उपजिला अधिकारी कार्यालय नौगावां सादात पर भाकियू शंकर का प्रदर्शन सरपंच हर ज्ञान सिंह की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष नौबहार सिंह चौहान के संचालन में हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी है लेकिन सभी बैंकों ने अभी इसे लागू नहीं किया है, किसानों को यूरिया व डीएपी के साथ में जबरन तरीके से नैनों यूरिया दिया जा रहा है इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए । सरकार द्वारा प्रदेश में जैविक-प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, किंतु किसानों द्वारा इस विधि से उत्पादित फसलों का उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाने से वो हताश है, सरकार को इन सभी फसलों व उत्पादों को उचित मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिये। तहसील अध्यक्ष रवि पाल सिंह ने कहा कि जनपद के समुचित विकास के लिएं अमरोहा विकास प्राधिकरण का गठन किया जाना चाहिए। प्रदेश सचिव संजय चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश पावर कापोर्रेशन विधुत बिलों में बढ़ोत्तरी करने जा रही है जिसका हमारा संगठन भारी विरोध करता है, आधे से अधिक विधुत मीटरों के द्वारा गलत बिल निकाले जा रहे हैं जिस से किसान को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है, इसका तत्काल स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए। जिला संगठन मंत्री राकेश रतन पर ने कहा कि गंगा धाम तिगरी में विधुत शवदाह गृह के निर्माण के साथ तिगरी से ब्रजघाट तक गंगा रिवर फ्रंट बनाते हुए इसे पर्यटक स्थल घोषित किया जाए। गजरौला में औद्योगिक इकाइयों द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए, सभी रासायनिक उर्वरकों व पेस्टीसाइड का सेम्पलिंग कराया जाए, इफको जैसी संस्था में अभी राजस्थान में छापा पड़ने पर वहाँ बनने वाले सभी उर्वरक नकली पाए गए, वहीं हापुड़ जनपद में भी 10 नामी गिरामी कंपनियों के 40 हजार से अधिक खाली बोरे बरामद किए गए हैं जिनमें नकली खाद भरकर प्रदेश भर में सप्लाई किये जा रहे हैं, इसमें मामले में संलिप्त सभी दोषियों पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इफको के उत्पादों पर देश का किसान भरोसा करता था लेकिन अब इस खुलासे से किसान हैरान व परेशान है। ये नकली उर्वरक किसान की भूमि को बंजर बनाने का काम कर रहे हैं, आज से 3 वर्ष पूर्व भी हमारे संगठन ने इसकी सेम्पलिंग कराई थी जिसमें इसके सभी नमूने फेल पाए गए थे, रजिस्ट्रार कार्यालय नवनिर्माण तहसील भवनो में संचालित किया जाए। वेव शुगर मिल धनौरा द्वारा किसानों व अपने कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है,लगभग 1 माह का किसानों का 34 करोड़रुपया शुगर मिल दबाए बैठी है, । समय रहते उक्त समस्याओं का निस्तारण नहीं किया जाता तो संगठन 7 जुलाई दिन सोमवार को कलेक्ट्रेट का घेर प्रदर्शन करेगा ,जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस दौरान सोनू, सरदार मंजीत सिंह ,जगत सिंह चौहान, विक्रम पंवार, ललित , कैप्टन सुरेंद्र सिंह, फौजी देवेंद्र सिंह राजपाल सिंह, कल भगत जी सतीश चौहान प्रीतम ,नरेश जगदीश चौहान चंद्रभान सिंह अमीपाल दरोगा देवेंद्र सिंह गजराम चौहान, जयविन्दर सिंह, राजवीर सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया गया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जे एस हिंदू इंटर कॉलेज अमरोहा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया जिसमें जामुन, पिलखन, नीम, चांदनी, गुल्हड़ आदि प्रजाति के वृक्षों का रोपण किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने बताया कि आज विद्यालय में प्रबंधक अनिल स्वरूप टंडन तथा कोषाध्यक्ष दिवेश बाहेती के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के वॉलेंटियर्स के साथ वृक्षारोपण किया गया जिसमें उन्होंने फल, फूल तथा छायादार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। साथ ही साथ बच्चों को भी अपने खेत घर तथा आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित भी किया। प्रबंधक अनिल स्वरूप टंडन ने कहा कि वृक्ष लगाने से ज्यादा जरूरी है उनकी देखभाल। बच्चों के समान नन्हे पौधों की भी देखभाल करनी चाहिए। वृक्ष धरा के आभूषण हैं, इन्हीं से धरती हरी भरी रहती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डा0 शिव शंकर यादव ने छात्र-छात्राओं को एक एक पौधा घर और आसपास लगाने के लिए भी दिया।

छात्र-छात्राओं की शैक्षिक गुणवत्ता पर दे विशेष ध्यान हिमांशु गौतम

हापुड़ (सब का सपना):- हिमांशु गौतम मुख्य विकास अधिकारी हापुड़ द्वारा प्राथमिक विद्यालय सरावा व गोयना विकासखंड हापुड़ का निरीक्षण किया गया। प्राथमिक विद्यालय सरावा में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा छात्राओं की शिक्षा गुणवत्ता परखी। प्राथमिक विद्यालय गोयना में साफ सफाई की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय में छात्रछात्राओं को दिए जाने वाले मिड डे मील की गुणवत्ता की भी जांच की। इसके उपरांत प्राथमिक विद्यालय सरावा विकासखंड हापुड़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सभी अध्यापक गण उपस्थित मिले। शिक्षामित्र अनुपस्थित पाई गई जिसका वेतन काटने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिए कि बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। कक्षा एवं विद्यालय परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। विद्यालय परिसर में घास फूस हो रही थी जिसे ठीक करने के निर्देश दिए गए।

लखनऊ से मुंबई जा रहे विमान में बीच रास्ते थरथराहट, हैदराबाद डायवर्ट करने के बाद कराई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ: लखनऊ से मुंबई जा रहे विमान में तकनीकी गड़बड़ी के चलते बुधवार रात उसे हैदराबाद डायवर्ट कर दिया गया। जहां विमान की गहन जांच हुई। कोई गड़बड़ी न मिलने पर विमान को सुबह तीन बजे मुंबई के लिए रवाना किया गया। सूत्र बताते हैं कि विमान में थरथराहट पैदा होने पर उसे डायवर्ट किया गया था। अमौसी एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-5058 बुधवार रात 9:58 बजे रवाना हुई। विमान को रात 12:15 बजे मुंबई पहुंचना था। बीच रास्ते विमान में तकनीकी गड़बड़ी महसूस की गई। सूत्र बताते हैं कि विमान में थरथराहट पैदा हुई, जो सामान्य नहीं लग रही थी। विमान के पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) से संपर्क किया। इसके बाद हैदराबाद एयरपोर्ट पर रात 1:30 बजे इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मिली। जांच पड़ताल के बाद सुबह 3:05 बजे विमान को मुंबई के लिए रवाना किया गया। फ्लाइट सुबह 4:23 बजे मुंबई पहुंची। इस मामले में एयरलाइन से जुड़े अफसर कुछ भी बोलने से बचते रहे। परेशान हुए यात्री विमान में सवार लखनऊ से मुंबई जाने वाले यात्री पूरी रात विमान में ही रहे। यात्री चार घंटे की देरी से सुबह मुंबई पहुंचे। इससे उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

विधायक ने किसान नेता को दी धमकी, 'औकात में रहो, दिमाग खराब मत करो... मर जाओगे बेकार में'

अलीगढ़। जिले की छठवीं तहसील का अभी चयन नहीं हुआ है, मगर चल रही कवायद के बीच विवाद बढ़ते जा रहे हैं। अकराबाद और छर्रा के लोग अपने-अपने क्षेत्र की घोषणा चाहते हैं। अकराबाद के किसान नेता इस मामले में इन्टरनेटा मीडिया पर आक्रोशित हुए तो छर्रा विधायक रवेंद्र पाल सिंह फोन पर बिगड़ गए। इस कदर कि धमकी तक दे डाली। तल्ख बातचीत के दौरान उन्होंने यह तक कह डाला कि औकात में रहो। दिमाग खराब मत करो। मर जाओगे बेकार में। इसका आडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इस पर लोग अलग-अलग राय दे रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन भानु से जुड़े किसान नेता अशोक ठाकुर ने बुधवार को इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट की थी। इसमें लिखा था कि विधायक जी, यह सही बात नहीं है। आपने दो बार विधानसभा चुनाव जीता है, क्या छर्रा ने ही वोट दिया था। अकराबाद व विजयगढ़ की जनता पागल है। सदैव आपके साथ रहे और आपको भी सत्य पता होते हुए आप छर्रा की जनता का साथ दे रहे हैं। याद रखना विधानसभा चुनाव आगे भी हैं। हम कब तक बेबकूफ बनते रहें, अब आगे ऐसा नहीं होगा। अगर अकराबाद में तहसील नहीं बनी तो किसान यूनियन भानु की सारी टीम मिलकर विरोध करेगी। अकराबाद व विजयगढ़ मंडल के गांव-गांव में जाकर अभियान चलाएंगे। जनता को जागरूक करेंगे। इसी पोस्ट के बाद की बातचीत का एक आडियो अब प्रसारित हो रहा है। इसमें पोस्ट करने वाले किसान नेता व विधायक में आपसी बातचीत हो रही हैं। इस आडियो में विधायक भड़कते हुए कह रहे हैं कि अकराबाद का प्रस्ताव तो सबसे पहले बना है। सर्वे हो चुका है तो फिर विरोध क्यों कर रहे हो। अकराबाद व छर्रा दोनों तहसील बननी चाहिए। यही कहा है मैंने। छर्रा अतरौली से बनेगी और कोल से अकराबाद बनेगी। इस दौरान कई आपत्तिजनक बातचीत भी होती हैं। बाद में विधायक किसान नेता से कहते हैं कि जो करना है, करिए।

चलती सांसों पर कुणाल को कुएं में फेंक ऊपर से डाला था पत्थर, प्रधान पुत्र समेत दो गिरफ्तार

आगरा। सुल्तानगंज के 20 वर्षीय कुनाल प्रजापति की हत्या रुपये के लेनदेन के विवाद में प्रधान पुत्र और उसके रिश्ते के चाचा ने ही की थी। खेत में ले जाकर पहले उसके सिर पर ईंट से प्रहार किया गया, फिर चलती सांसों पर ही दोनों ने हाथ-पैर पकड़कर उसे कुएं में फेंक दिया।इसके बाद ऊपर से उसके ऊपर भारी पत्थर डाल दिया, जिससे जिंदा न बच सके।पुलिस हत्या के पीछे रुपये के लेनदेन का विवाद मान रही है। सुल्तानगंज की पुलिया के रहने वाले देवेंद्र प्रजापति की मिठाई और चाट की दुकान है। उनका बेटा कुनाल 27 जून को स्कूटर लेकर घर से निकला था। उसको बुलाकर खंदौली के पैसई निवासी शिवम और लक्ष्मीकांत उर्फ डाली ने हत्या कर दी थी। सोमवार रात को पुलिस ने कुनाल का शव हाथरस में सहपऊ के नगला महासुख में कुएं से बरामद किया था। घटनास्थल के पास नहर से कुनाल का स्कूटर भी बरामद कर लिया। कुनाल की हत्या में पुलिस ने शिवम यादव और लक्ष्मीकांत उर्फ डाली को गिरफ्तार कर लिया।आरोपितों ने पुलिस को बताया कि 26 जून को दोनों आरोपितों ने कुनाल को सिकंदरा क्षेत्र पार्टी दी थी। इसके बाद उसे भगवान टाकीज पर छोड़ दिया था। शराब पीने के दौरान आपस में रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था।कुनाल ने पूर्व में सस्ता सोना खरीदने के लिए शिवम को कुछ रुपये दे रखे थे। कुनाल तकादा कर रहा था। 27 जून को डेढ़ लाख रुपये लेकर कुनाल को शिवम ने बुलाया था। उसने कहा था कि हाथरस में किसी परिचित से सस्ते में सोना दिला देगा। वह रुपये लेकर पहुंचा था। पहले कुनाल को नगला महासुख ले जाकर शिवम और डाली ने बीयर पी ली। इसके बाद डाली ने कुनाल के सिर में ईंट से प्रहार कर दिया। इससे वह खेत में गिर पड़ा। उसकी सांसें चल रही थीं तभी डाली और शिवम ने हाथ और पैर पकड़कर उसे पास में एक कुएं में फेंक दिया।भारी पत्थर उसके ऊपर फेंक दिया, जिससे उसकी सांसें थम गईं। आरोपितों ने पास में ही एक नहर में कुनाल का स्कूटर फेंक दिया। हत्या के बाद शिवम ने डाली को डेढ़ लाख रुपये दिए थे। जबकि वादा यह किया था कि हत्या में मदद करने पर दो लाख रुपये देगा।हत्याकांड में एक और व्यक्ति की भूमिका सामने आ रही है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।एसीपी हरीपर्वत विनायक भोसले ने बताया कि कुनाल के पिता देवेंद्र कुमार ने हत्या का मुकदमा लिखाया है।

ट्रेन में पकड़ा गया फर्जी टीटीई, यात्रियों की टिकट जांच वसूलता था धनराशि, मुकदमा दर्ज

अलीगढ़: अलीगढ़ जीआरपी ने ट्रेन में एक फर्जी टीटीई को पकड़ा है। वह टीटीई की वर्दी पहन कर यात्रियों की टिकट देखता था और उनसे वसूली करता था। फर्जी टीटीई पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक संदीप तोमर ने बताया कि राजेंद्र नगर टर्मिनल स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन में संदिग्ध अवस्था में टीटीई की वर्दी में एक व्यक्ति दिखाई दिया। शक होने के बाद पूछताछ करने पर वह व्यक्ति संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान निगम कुमार निवासी वार्ड 4 रमेंद्रपुरा लखीसराय बिहार बताई है। आरोपी बीएससी की पढ़ाई कर चुका है। अपने कुछ दोस्तों के साथ दिल्ली घूमने गया था। वापसी में टीटीई की ड्रेस पहनकर पेंट्री कार संचालक को धमकाने लगा। शक होने पर पेंट्री कार संचालक ने ट्रेन के टीटीई सुनील कुमार को इसकी जानकारी दी। इसके बाद नॉन स्टॉप ट्रेन को अलीगढ़ में रुकवाया गया। इस संबंध में टीटी सुनील कुमार ने थाना जीआरपी में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि वह फर्जी तरीके से टीटीई की वर्दी पहनकर यात्रियों की टिकट जांच करता है, फिर उनसे धनराशि वसूलता है। तलाशी के दौरान उसके पास रेलवे का फर्जी पहचान पत्र (आईडी कार्ड) मिला है।

हर साल प्रदेश के एक लाख युवाओं को नौकरी देगी सरकार, जुड़ेंगे आगरा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

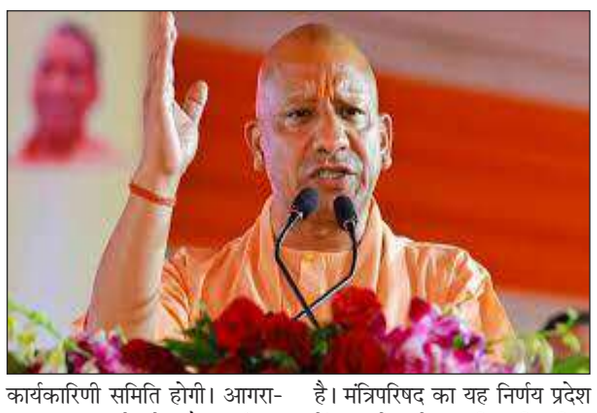

लखनऊ: प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन का प्रस्ताव अनुमोदित कर दिया। इस मिशन का उद्देश्य सीधे राज्य सरकार के माध्यम से न केवल राज्य के युवाओं को देश में रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें विदेशों में भी नौकरी के अवसर दिलाना है। मिशन के गठन के बाद हर वर्ष एक लाख युवाओं को देश और 30 हजार को विदेशों में रोजगार दिलाया जाएगा। कैबिनेट बैठक के बाद श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि अब तक सेवायोजन विभाग केवल रोजगार मेलों और सेवायोजकों के माध्यम से राज्य के बेरोजगार युवाओं को अवसर दिला रहा था। अब उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के साथ हम देश और विदेश दोनों स्तरों पर अपने युवाओं को सीधी नौकरी दिला सकेंगे। अनिल राजभर ने बताया कि अब तक विदेशों में रोजगार के लिए राज्य को रिक्रूटिंग एजेंट (आरए) लाइसेंसधारी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था। मिशन के गठन के साथ ही सरकार स्वयं आरए का लाइसेंस प्राप्त कर सकेगी, जिससे बेरोजगारों को सीधे विदेशों में रोजगार के लिए भेजा जा सकेगा। वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की मैनपावर खासकर पैरा मेडिकल, नर्सिंग स्टाफ, ड्राइवर्स, कुशल श्रमिकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह मिशन राज्य की उस क्षमता को दिशा और अवसर देने का माध्यम बनेगा। मिशन को चलाएंगी पांच प्रमुख इकाइयां उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन एक उच्च स्तरीय संस्था के रूप में किया जा रहा है, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत होगी। इसके संचालन के लिए पांच प्रमुख इकाइयां गठित की जाएंगी। जिसमें शासी परिषद, राज्य संचालन समिति, राज्य कार्यकारिणी समिति, राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (एसपीएमयू) और जिला कार्यकारिणी समिति होगी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए नया लिंक एक्सप्रेसवे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस से जोड़ने के लिए नए लिंक एक्सप्रेसवे को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। लगभग 50 किलोमीटर (49.96 किमी) लंबे छह लेन के इस एक्सप्रेसवे को बाद में आठ लेन किया जा सकेगा। इस बनाने में 4776 करोड़ का खर्च अनुमानित है। मंत्रिपरिषद का यह निर्णय प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का ग्रिड विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि नया लिंक एक्सप्रेसवे आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के भलिया ग्राम (चैनेज 294 + 230) से शुरू होगा, जो पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पहांसा ग्राम (चैनेज 6 +350) तक जाएगा। नए लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जुड़ते ही लखनऊ- प्रयागराज नेशनल हाइवे और लखनऊ-कानपुर हाइवे भी आपस में जुड़ जाएंगे। इससे आगरा, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और गाजीपुर का आवागमन सुगम हो जाएगा। लखनऊ व कानपुर जैसे शहरों को जाम और नो इंट्री जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर (संशोधन) अध्यादेश का अनुमोदन कर दिया। इसी के साथ केंद्र द्वारा जीएसटी में किए गए कई संशोधनों को यूपी में भी लागू कर दिया गया। इसके तहत व्यापारी को अपील करने के लिए पहले राशि का 25 फीसदी जमा करने की बाध्यता थी। इसे घटाकर 10 फीसदी कर दिया है। इस संबंध में राज्य कर आयुक्त डॉ. नितिन बंसल ने बताया कि जीएसटी काउंसिल द्वारा जीएसटी व्यवस्था के सरलीकरण और करदाताओं को सुविधा देने के लिए समय-समय पर जीएसटी अधिनियम में संशोधन प्रस्तावित किए जाते हैं। केन्द्र सरकार द्वारा पारित इन संशोधनों के क्रम में राज्य सरकार द्वारा भी उप्र माल और सेवाकर अधिनियम में संशोधन किए जाते हैं। वित्त अधिनियम 2025 के द्वारा उप्र माल और सेवाकर अधिनियम में किए गए संशोधनों के क्रम में उप्र माल और सेवाकर अधिनियम में संशोधन किया गया है।

खतरनाक श्रेणी के सभी कारखानों में महिलाएं भी कर सकेंगी काम

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए महिलाओं को कुछ शर्तों के साथ खतरनाक श्रेणी के सभी 29 कारखानों में काम करने की अनुमति दे दी गई है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि अब तक देश में 29 प्रकार के खतरनाक कारखानों में महिलाओं का कार्य करना प्रतिबंधित था। पिछले वर्ष दिसंबर में 12 प्रकार के कम खतरनाक कारखानों में पहले ही काम की अनुमति मिल गई थी।

जल बोर्ड, बीएसईएस, पीडब्ल्यूडी ने निर्माण कार्य के लिए खोदी सड़कें, फिर रास्तों को उजाड़ छोड़ा, जनता परेशान

पूर्वी दिल्ली में सरकारी विभागों की लापरवाही से सड़कों की हालत खस्ता है। जल बोर्ड बीएसईएस और पीडब्ल्यूडी ने पाइपलाइन और तार डालने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं की जिससे यमुना विहार जाफराबाद रोड कड़कड़ी मोड़ और किराड़ी जैसे इलाकों में सड़कें टूटी हुई हैं और जाम लगता है।

पूर्वी दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सड़कों का नाम सुनते ही लोगों के दिमाग में सबसे पहले जाम की तस्वीरें उभरती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है सरकारी विभागों की लापरवाही। सड़कों की खुदाई कर विभाग पानी की पाइपलाइन, सीवर लाइन या अंडरग्राउंड तार डालकर काम तो कर देते हैं, लेकिन काम पूरा होने के बाद महीनों तक सड़कों की मरम्मत नहीं की जाती। टूटी सड़कें और शुरू हो चुका मानसून दिल्ली के तमाम इलाकों में सड़कों की यही दुर्दशा है। लापरवाही के कारण सड़कें ऊबड़-खाबड़ पड़ी हैं। इन जगहों पर वाहन धीरे चलते हैं, जिससे जाम लगता है। मानसून की बारिश ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। टूटी सड़कें अब हादसों को खुला न्योता दे रही हैं। यमुना विहारः डेढ़ साल से अधूरा पड़ा काम यमुना विहार में दिल्ली जल बोर्ड पिछले डेढ़ साल से सीवर लाइन का काम कर रहा है। कई ब्लॉक में सीवर का काम पूरा हुए तीन-चार महीने हो चुके हैं, लेकिन सड़कें अब भी बदहाल हैं। टूटी सड़क से वाहन चालकों को परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं और दुर्घटनाओं का डर बना रहता है। जाफराबाद रोडः भीड़भाड़ में टूटी सड़कें जाफराबाद रोड, जो एक मुख्य मार्ग है, वहां वाहनों का भारी दबाव रहता है। सीलमपुर चौक, सीलमपुर मार्केट और मौजपुर में पीडब्ल्यूडी ने सड़क की खुदाई कर नाले की पाइपलाइन डाली थी। एक माह से सड़क टूटी है, लेकिन कोई सुध लेने वाला नहीं। जहां खुदाई हुई थी, वहां वाहन धीमे चलते हैं और जाम लग जाता है। हैरानी की बात यह है कि यहीं पीडब्ल्यूडी का कार्यालय भी मौजूद है, फिर भी सड़क को ठीक नहीं किया गया। स्वामी दयानंद मार्गः बार-बार खुदाई, सड़क बदहाल स्वामी दयानंद मार्ग पर कड़कड़ी मोड़ के पास पहले जल बोर्ड ने खुदाई की थी। इसके बाद बीएसईएस ने तार डालने के लिए फिर से सड़क खोदी। दो महीने से सड़क टूटी है, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है। बारिश के मौसम में सड़क पर पानी जमा होने से गड्ढे दिखाई नहीं देते और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। दक्षिणी दिल्लीः कहीं पर भी नहीं हो रही मरम्मत दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी फ्लाईओवर से माता आनंदमयी मार्ग की सर्विस लेन पर बीएसईएस ने तीन महीने पहले केबल डालने के लिए खुदाई की थी। वहां गड्ढों को गिट्टी से पाटा गया, जो बारिश में धंस रही है। महरौली में पीटीएस चौक से भूलभुलैया तक बीएसईएस ने दो महीने पहले अंडरग्राउंड केबल बिछाने के लिए खुदाई की थी। संकरी सड़क के कारण ट्रैफिक जाम आम बात हो गई है। ओखला मोड़ मार्गः बस स्टॉप के पास टूटी सड़क ईएसआईसी अस्पताल से ओखला मोड़ जाने वाले मार्ग पर बस स्टॉप के आगे सड़क टूट चुकी है। पानी जमा होने से हालत और खराब है। रात में अंधेरे में दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती है। सराय काले खां स्थित बांसेरा पार्क के पास भी सड़क जगह-जगह टूटी हुई है और गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं। किराड़ीः चार महीने से बंद पड़ा रास्ता किराड़ी में प्रताप विहार गोल मार्केट से रोहिणी सेक्टर-20 और 21 को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर सीवर का मेनहाल बनाने के लिए करण विहार-दो के पास करीब चार महीने पहले खुदाई हुई थी। 50 फीट लंबी खुदाई के बाद से यह रास्ता पूरी तरह बंद पड़ा है।

'जनविरोधी आदेश तुरंत वापस ले भाजपा सरकार', पुरानी गाड़ियां हटाने को लेकर 'आप' ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों से पुरानी गाड़ियों को हटाने के बीजेपी सरकार के तुगलकी फरमान पर आम आदमी पार्टी ने तीखा हमला बोला। 'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह तुगलकी फरमान बीजेपी और ऑटो कंपनियों के बीच सांठगांठ का परिणाम है। बीजेपी ऑटो कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए दिल्ली के 61 लाख मीडिल क्लास को नई गाड़ियां खरीदने के लिए मजबूर कर रही है। जबकि इनमें से कई गाड़ियां बहुत कम चली हैं और प्रदूषण भी नहीं कर रहीं हैं, लेकिन बीजेपी सरकार उनको खराब बताकर स्क्रैप करने को कह रही है। उन्होंने कहा कि फुलेरा की पंचायत वाली सरकार के इस फैसले से सिर्फ वाहन निमार्ता कंपनियों, स्क्रैप डीलर, हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट बनाने वाली कंपनियों को फायदा होगा। 'आप' की मांग है कि सरकार पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल पंप पर तेल नहीं देने के जनविरोधी आदेश तुरंत वापस ले। गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर मनीष सिसोदिया ने कहा कि पंचायत वेब सीरीज पंचायत का जिक्र करते हुए कहा कि इस सीरीज में साम, दाम, दंड, भेद और झूठ बोलकर, साजिशें करके, लोगों को बदनाम करके फुलेरा की नई पंचायत बनती है। दिल्ली सरकार भी फुलेरा की नई पंचायत की तरह व्यवहार कर रही है। साम, दाम, दंड, भेद करके, एजेंसीज और पुलिस का दुरुपयोग करके इन्होंने फुलेरा की नई पंचायत बना ली। लेकिन इनके साथ समस्या यह है कि इनको सरकार नहीं चलानी आती है। इसलिए ये कुछ भी आदेश दे रहे हैं और सरकारों का फायदा उठाने वाली ताकतें सरकारें चला रही हैं। मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के 10 साल पुराने 61 लाख वाहन मालिकों के दर्द को साझा करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार (फुलेरा की नई पंचायत) ने दिल्ली के लोगों के लिए उनकी कार, मोटरसाइकिल चलाना मुश्किल कर दिया है। फुलेरा की नई पंचायत वालों का आदेश आया है कि 10 साल पुरानी पेट्रोल और 15 साल पुरानी डीजल गाड़ियों को ईंधन नहीं मिलेगा। बहाना प्रदूषण का है, लेकिन निशाना दिल्ली के आम आदमी को लूटने का है। दिल्ली में 18 लाख कारें और 41 लाख बाइक हैं। कुल 61 लाख परिवारों के वाहन पर बीजेपी सरकार के इस फैसले की वजह से गाज गिर रही है।

नौकर ने कबूला जुर्म, पूछताछ में बताया- क्यों काटा मालकिन और 14 साल बेटे का गला

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के लाजपत नगर में हुई दिल दहला देने वाली वारदात का सच सामने आया गया है। मालकिन और उनके 14 साल के बेटे की हत्या किसी दुश्मन ने नहीं बल्कि उनके नौकर ने ही की है। पुलिस ने आरोपी नौकर को गिरफ्तार कर लिया है। नौकर ने पुलिस पूछताछ में अपना जुर्म कबूल लिया है। साथ ही डबल मर्डर की वजह भी बताई है। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में देर रात मां और उनके बेटे की हत्या को अंजाम दिया गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पति कुलदीप की सूचना पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी, जहां महिला 42 वर्षीय रुचिका का शव बेडरूम में मिला है। वहीं, उनके 14 वर्षीय बेटे का शव बाथरूम में मिला। पुलिस ने वारदात के बाद फरार हुए आरोपी नौकर को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान हाजीपुर, बिहार निवासी मुकेश के रूप में हुई है। वर्तमान में वह अमर कॉलोनी में रहता है। महिला व उसके पति की लाजपत नगर में गारमेंट शॉप है। आरोपी उसी शॉप में हेल्पर का काम करता था। क्यों दिया वारदात को अंजाम? आरोपी नौकर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मकान मालकिन ने उसे डांटा था। पूछताछ में उसने बुधवार रात (2 जुलाई) को मालकिन व उसके बेटे की हत्या करना कबूल किया है। वारदात को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया। पुलिस ने आज सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में अपराधियों की धर पकड़ तेज, अब इस तकनीक से दबोचे जाएंगे भगोड़े घोषित बदमाश

नई दिल्ली। दिल्ली में पैरोल जंपर्स व भगोड़े को पकड़ने के लिए सभी थानों के थानाध्यक्षों व इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन को अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) और अन्य तकनीक का नियमित रूप से इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। पुलिस अयुक्त संजय अरोड़ा ने एक सर्कुलर जारी कर पैरोल जंपर्स और भगोड़े अपराधियों को चिन्हित करने और उन्हें पकड़ने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सर्कुलर में कहा गया है कि क्राइम ब्रांच ने पिछले छह महीनों में कई वांछित अपराधियों, पैरोल, अंतरिम जमानत, फर्लो जंपर्स और भगोड़े अपराधियों का पता लगाया है। यह जानकारी अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) और ई प्रिजन पोर्टल्स पर उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त हुई। वहीं, कई बार ऐसे अपराधी अन्य जेलों में बंद पाए गए जबकि पुलिस रिकॉर्ड में वे फरार या अज्ञात दर्शाए गए थे। इसलिए ऐसे अपराधियों को चिन्हित करने की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सभी थानों के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए। थानाध्यक्षों को कहा गया है कि वे ई कोर्ट पोर्टल का नियमित उपयोग करें और वांछित अपराधियों, पैरोल, फर्लो जंपर्स की स्थिति व आदेशों को अपडेट रखें। अपराधियों की तलाश करते समय अधिकारी को ई प्रिजन, सीसीटीएनएस, ई कोर्ट, ई प्रोसिक्यूशन और आइसीजेएस पोर्टल्स से संबंधित विवरण खोजकर थानों के रिकॉर्ड से मिलान करना होगा। हर एसएचओ व इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन को हर महीने अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले पैरोल जंपर्स, भगोड़े अपराधियों की जानकारी ई प्रिजन और आइसीजेएस पोर्टल्स पर चेक करनी होगी। हर एसएचओ, इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन के अलावा जिले के डीसीपी को मासिक रूप से इसकी पुष्टि करनी होगी। सर्कुलर में कहा गया है क सभी एसएचओ व इंस्पेक्टर इंवेस्टिगेशन हर महीने पैरोल जंपर्स, घोषित अपराधियों की जानकारी क्राइम ब्रांच के साथ साझा करेंगे। यह काम संबंधित जिले के डीसीपी की निगरानी में होगा।

दिल्ली मेट्रो पर महिला भूल गई थी अपना बैग, सीआईएसएफ के जवानों ने लौटाया

पश्चिमी दिल्ली। उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पर बुधवार की सुबह स्कैनर मशीन में बैग डालकर भूली एक महिला को सीआईएसएफ के जवानों ने बैग लौटा दिया। महिला के बैग में एक सोने की चेन, 15 हजार नकद समेत कई अन्य जरूरी कागजात थे। बैग पाकर महिला काफी खुश है। उन्होंने दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों के साथ-साथ सीआईएसएफ जवानों का धन्यवाद किया। 56 वर्षीय मंजू शर्मा पति निर्भय कुमार शर्मा व दो बेटों के साथ गाजियाबाद के मोहन नगर में रहती हैं। मंजू ने बताया कि बीते रविवार को वह अपने घर से उत्तम नगर स्थित मायका आई थी। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे वापिस मोहन नगर स्थित अपने घर आने के लिए उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पहुंची। जहां स्टेशन पर प्रवेश करने से पहले उन्होंने चेकिंग के लिए अपना बैग स्कैनर मशीन में डाला। बैग मशीन में ही भूलकर मोहन नगर स्थित अपने घर पहुंच गईं। मंजू ने बताया कि घर पर पहुंचने के करीब 45 मिनट बाद याद आया कि वह बैग मेट्रो स्टेशन पर ही स्कैनर में भूल गई। उन्होंने तुरंत ईस्ट उत्तम नगर में रहने वाले अपने भाई राजेश शर्मा को इसकी जानकारी दी। राजेश मेट्रो स्टेशन पहुंचे, वहां सीआईएसएफ के दो जवान एएसआई मनोज कुमार और कांस्टेबल अनुराग मधुर मिले। राजेश ने उनसे बैग के बारे में जानकारी दी। जिसपर सीआईएसएफ के जवान ने उनसे पूछताछ की। फिर बैग दिखाया। बैग में रखे सामानों की पड़ताल की। फोन पर मंजू से पूछताछ करने के बाद यह बैग राजेश को सौंप दिया। बैग पाकर मंजू काफी खुश हैं, उन्होंने कहा कि कीमती सामानों के अलावा उनके बैग में कई जरूरी कागजात थे। जिनके गुम होने से उन्हें काफी परेशानी होती। उन्होंने मेट्रो की मजबूत सुरक्षा को लेकर डीएमआरसी समेत सीआईएसफ के जवानों का धन्यवाद किया।

पेट्रोल पंप मालिकों पर जुमार्ना लगाने के विरुद्ध याचिका, दिल्ली सरकार और सीएक्यूएम को नोटिस जारी

नई दिल्ली। उम्र पूरी कर चुके वाहनों को पेट्रोल पंपों से ईंधन न देने के नियम को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। साथ ही, इस मुद्दे पर सुनवाई सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। याचिका में आदेशों के खिलाफ दी गई दलील दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि पेट्रोल पंप मालिकों पर ऐसे आदेश लागू करने का दबाव डाला जा रहा है, जिसके लिए उनके पास कोई कानूनी अधिकार ही नहीं है। एसोसिएशन की ओर से पेश हुए अधिवक्ताओं आनंद वर्मा, आद्याशा नंदा और अपूर्व पांडे ने दलील दी कि डीलर्स सीएक्यूएम के निदेर्शों का पालन करने के पक्ष में हैं, लेकिन उन पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 192 लगाने का कोई औचित्य नहीं है। पेट्रोल पंप मालिकों पर लागू नहीं होता मोटर वाहन अधिनियम याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि पेट्रोल पंप मालिक केवल निजी संस्थाएं हैं, न कि कोई सरकारी एजेंसी। ऐसे में उनके पास यह कानूनी अधिकार नहीं है कि वह उम्र पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन न देने का नियम लागू कर सकें। यह जिम्मेदारी राज्य की है और इसे निजी हाथों में नहीं सौंपा जा सकता। याचिका में इस आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। आदेश लागू कराने के लिए बनाई गई प्रवर्तन रणनीति गौरतलब है कि सीएक्यूएम ने हाल ही में आदेश जारी किया था कि दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर एक जुलाई से पुराने वाहनों को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। इस आदेश के सख्त अनुपालन के लिए परिवहन विभाग ने दिल्ली पुलिस और यातायात कर्मियों के साथ मिलकर एक विस्तृत प्रवर्तन योजना बनाई है। रोजाना हजारों वाहनों को ईंधन देना चुनौतीपूर्ण याचिका में यह भी कहा गया है कि किसी पेट्रोल पंप पर रोजाना औसतन तीन हजार वाहन ईंधन भरवाने आते हैं। इतनी भीड़भाड़ में यह सुनिश्चित करना बेहद मुश्किल है कि कोई पुराना वाहन ईंधन न भरवा सके। इस कारण असावधानी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। वायु प्रदूषण रोकने के लिए व्यापक कदम जरूरी एसोसिएशन ने कोर्ट में यह भी कहा कि वायु प्रदूषण को रोकने के लिए केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। अकेले पेट्रोल पंप मालिकों को इस जिम्मेदारी में झोंकना तर्कसंगत नहीं है। अब देखना होगा कि हाई कोर्ट इस संवेदनशील मुद्दे पर सितंबर में क्या फैसला सुनाता है।

धमकी से तंग आकर किया मर्डर, शव को जलाने की भी कोशिश; खौफनाक पूरी वारदात

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में नरेला थाना क्षेत्र में बीते रविवार को कपिल दहिया की हत्या कर शव जलाने की कोशिश के मामले में पुलिस ने एक मुख्य आरोपित को हरिद्वार, उत्तराखंड से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान स्वतंत्र नगर निवासी सुमित के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि मृतक कपिल दहिया उसका पड़ोसी था। जो उसे और उसके भाई को आए दिन जान से मारने की धमकी देता था। उसकी धमकी से तंग आकर उसने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर पहले कपिल की हत्या की, फिर शव पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने के बाद फरार हो गया था। पुलिस अब फरार दो अन्य आरोपितों का पता लगा रही है। उनके संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारी का दावा है कि जल्द ही अन्य आरोपितों को भी पकड़ लेगी। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन, अपराध के समय आरोपित द्वारा पहने गए कपड़े और एक रायल एनफील्ड मोटरसाइकिल बरामद की है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 29 जून को नरेला थाना पुलिस को नरेला-बवाना फ्लाईओवर के पास भारत माता स्कूल के पीछे एक खुले मैदान में एक अर्द्धजला शव होने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही एएसआई नरेंद्र के मौके पर पहुंचे। जहां पाया कि एक युवक का अर्द्धजला शव पड़ा है। वहीं, शव के कुछ ही दूरी पर आधी जली हुई रायल एनफील्ड मोटरसाइकिल भी मिली। क्राइम और एफएसएल टीम ने घटस्थल की जांच कर कई साक्ष्य जुटाए। वहीं, जांच के दौरान मृतक की पहचान स्वतंत्र नगर, नरेला निवासी 20 वर्षीय कपिल दहिया के रूप में हुई। पुलिस हत्या समेत कई संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। टीम ने गुप्त सूचना पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, तकनीकी निगरानी की सहायता से संदिग्ध सुमित के हरिद्वार, उत्तराखंड में होने का पता चला। टीम ने वारदात के 24 घंटे के भीतर उसे हिरासत में ले लिया। वहीं, लगातार पूछताछ करने पर आरोपित ने कपिल दहिया की हत्या में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दो दोस्त विशाल और हरीश के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है।

जल आपूर्ति में अधिक फ्लोराइड व सीवर मिलावट का संकेत, दिल्ली जल बोर्ड पर सवाल

पूर्वी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में साफ पानी का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात इतने खराब हैं कि अब लोगों को खुद अपनी जेब से पैसे खर्च कर पानी की लैब जांच करानी पड़ रही है ताकि वे साबित कर सकें कि उन्हें दूषित पानी सप्लाई हो रहा है। वरना दिल्ली जल बोर्ड शिकायतों पर पानी को साफ बताकर आसानी से पल्ला झाड़ लेता है। श्रेष्ठ विहार सोसायटी ने खुद कराई पानी की जांच पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार वार्ड के श्रेष्ठ विहार इलाके की श्रेष्ठ कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी इस समस्या का ताजा उदाहरण है। सोसायटी में रहने वाले लोग महीनों से गंदे और बदबूदार पानी से परेशान थे। बार-बार शिकायत के बावजूद दिल्ली जल बोर्ड से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तब सोसायटी ने निजी लैब से पानी की गुणवत्ता की जांच कराई। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि पानी में फ्लोराइड की मात्रा तय मानकों से अधिक है। साथ ही पानी में बदबू और स्वाद भी खराब पाया गया, जिससे साफ संकेत मिलते हैं कि सप्लाई के पानी में सीवर का गंदा पानी मिल रहा है। दूषित पानी से लोग बीमार, जलजनित रोग बढ़े श्रेष्ठ विहार के निवासी और सोसायटी से जुड़े राजन हांडा ने बताया कि दूषित पानी की वजह से उनके घर के दो सदस्य बीमार पड़ गए हैं। इसके अलावा सोसायटी में कई लोग जलजनित रोगों से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि जल बोर्ड से कई बार शिकायत की गई लेकिन हर बार पानी को ठीक बता कर फाइल बंद कर दी गई। इसके बाद मजबूरी में उन्हें अपनी जेब से निजी लैब में पानी की जांच करानी पड़ी। अन्य इलाकों में भी हालात खराब श्रेष्ठ विहार ही नहीं, आनंद विहार, योजना विहार और जागृति एन्क्लेव जैसे कई इलाकों में भी लोग इसी समस्या से परेशान हैं। योजना विहार सी-ब्लाक आरडब्ल्यूए के रजित चड्ढा ने बताया कि उनके क्षेत्र में तो कभी-कभी बिल्कुल काला पानी सप्लाई होता है।

15 साल के लड़के का शव मिलने से मचा हड़कंप, नहीं हुई शिनाख्त; जल्द खुलेगा मौत का राज

बाहरी दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला में एक सप्ताह में दो शव मिले हैं। इनमें से एक शव की शिनाख्त 15 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। जिसकी धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। फिर आरोपित ने शव को ठिकाना लगाने के लिए मुनक नहर में फेंक दिया। इस मामले में समयपुर बादली थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, समयपुर बादली इलाके में ही मिले एक अन्य शव की शिनाख्त में पुलिस जुटी हुई है। समयपुर बादली इलाके में मुनक नहर स्थित हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास से एक जुलाई को मिले शव की शिनाख्त 15 वर्षीय जतिन के रूप में हुई है। जिसका शव नग्न हालत में मिला है। जिसके पेट और कूल्हों पर धारदार हथियार से वार किए गए थे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मंगलवार दोपहर समयपुर बादली थाना पुलिस को एक पीसीआर काल मिली थी। कालर ने बताया कि दिल्ली जलबोर्ड के हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में मुनक नहर में एक लड़के की लाश तैर रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। उसके गले में एक सफेद रंग का कपड़ा मौजूद था। उसके पेट में किसी धारदार हथियार से वारकर उसकी आंते भी बाहर निकाली हुई थी। पुलिस ने छानबीन के बाद नाबालिग का शव पीएम के लिए शवगृह भेजा। शुरूआत में मृतक की पहचान नहीं हुई। बुधवार को उसके परिवार की जानकारी मिल पाई। मृतक के पिता सुनील ने बेटे की पहचान जतिन के रूप में की। जतिन परिवार के साथ जीवन पार्क में रहता था। इसके परिवार में पिता सुनील कुमार व अन्य सदस्य हैं। जतिन का बड़ा भाई भी कई वारदातों में शामिल रहा है। वह फिलहाल जेल में बंद है। परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कूल के दबाव पर बंद हो गई थी आत्मकेंद्रित से पीड़ित बच्ची की पढ़ाई, याचिका पर हाई कोर्ट ने दिया ये महत्वपूर्ण फैसला

नई दिल्लीः दिल्ली हाई कोर्ट ने राजधानी के जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल को ऑटिज्म से पीड़ित एक बच्ची को कक्षा एक में दाखिला देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि Inclusive Education का उद्देश्य केवल शिक्षा तक पहुंच देना ही नहीं बल्कि अपनापन सुनिश्चित करना भी है। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा, यह दोहराने की जरूरत नहीं कि समावेशी शिक्षा यानी का तात्पर्य सिर्फ दाखिले से नहीं है, बल्कि यह महसूस कराना है कि हर बच्चे की कक्षा में जगह है। सिब्लिंग क्लॉज के तहत मिला था स्कूल में दाखिला याचिका के अनुसार, बच्ची का जन्म मई 2017 में हुआ था और नवंबर 2019 में ऑटिज्म की आशंका के बाद उसका इलाज शुरू हुआ, जो कोविड के कारण बाधित हो गया। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में उसे सिब्लिंग क्लॉज के तहत स्कूल में दाखिला मिला। स्कूल को उसके बोलने में दिक्कत के बारे में पहले ही सूचित किया गया था। दिसंबर 2021 में बच्ची में हल्के ऑटिज्म की पुष्टि हुई और थेरेपी की सिफारिश की गई। अप्रैल 2022 में जब ऑफलाइन कक्षाएं शुरू हुईं तो माता-पिता ने स्कूल से शैडो टीचर या स्पेशल एजुकेटर की अनुमति मांगी। स्कूल के दबाव बनाने से बंद हो गई बच्ची की पढ़ाई याचिका में आरोप है कि स्कूल के सहयोग न करने और दबाव के कारण जनवरी 2023 से बच्ची की पढ़ाई बंद हो गई। कोर्ट ने कहा कि न्याय के हित में बच्ची को स्कूल में फिर से पढ़ाई का अवसर दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि बच्ची को कक्षा एक या उसकी आयु के अनुरूप कक्षा में फीस चुकाने वाले छात्र के रूप में दो सप्ताह के भीतर दाखिला दिया जाए। साथ ही, बच्ची को माता-पिता द्वारा नियुक्त शैडो टीचर के साथ स्कूल आने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय को निर्देश दिया कि बच्ची के पुनः दाखिले और समावेशी वातावरण को सुनिश्चित किया जाए ताकि उसके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो और उसे कानून के अनुसार पूर्ण सहयोग मिले। विशेष पाठ्यक्रम की मांग पर कहा- पहले नीति निमार्ता के पास जाएं हाई कोर्ट ने ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार करने की मांग करने वाली जनहित याचिका को यह कहते हुए बंद कर दिया कि यह नीति निर्माण का विषय है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने याचिकाकर्ता अनीश शर्मा को सुझाव दिया कि वे इस विषय पर उचित शोध कर केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, सीबीएसई और अन्य शैक्षणिक बोर्डों को अपना प्रतिनिधित्व दें। न्यायमूर्ति गेडेला ने टिप्पणी की कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे बेहद संवेदनशील होते हैं और प्रत्येक बच्चे के लिए अलग पाठ्यक्रम तैयार करना आवश्यक है।

भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में सोनप्रयाग के पास मुनकटिया में भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने गौरीकुंड से लौट रहे करीब 40 फंसे हुए केदारनाथ तीर्थयात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया। रुद्रप्रयाग पुलिस ने सूचित किया है कि सड़क साफ होने के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। वार्षिक चार धाम यात्रा, जिसमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की तीर्थयात्राएं शामिल हैं, हिंदू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है। उत्तराखंड में लगातार भारी भारी बारिश के कारण व्यापक व्यवधान जारी है। चमोली पुलिस के अनुसार, ताजा भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग उमट्टा में अवरुद्ध हो गया है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके कुछ हिस्से बह गए हैं। उत्तरकाशी पुलिस ने बताया है कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग दो स्थानों पर अवरुद्ध है और इसे बहाल करने में समय लग सकता है। इस वर्ष केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व आमद देखी गई है, जिसका श्रेय बेहतर सुविधाओं और बढ़ती आध्यात्मिक रुचि को दिया जा रहा है। अधिकारियों ने उच्च ऊंचाई वाली यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा और चिकित्सा प्रतिक्रिया टीमों को भी तैनात किया है। भगवान शिव को समर्पित केदारनाथ मंदिर हिमालय में 11,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित है। इस वर्ष केदारनाथ यात्रा के द्वार 2 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे।

16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भ समाप्त करने की अनुमति को एम्स देगा चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एक 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 27 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति मिली थी। एम्स ने मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ के समक्ष तर्क दिया कि गर्भपात से लड़की के भविष्य के प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की राय है कि लड़की के स्वास्थ्य की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने अदालत से अपील की कि वे बच्ची के कानूनी संरक्षक बनें। वकील भाटी ने बताया कि गर्भधारण अधिनियम के तहत, 24 सप्ताह के बाद गर्भावस्था केवल तभी समाप्त की जा सकती है जब महिला के जीवन को गंभीर खतरा हो या भ्रूण में जन्मजात असामान्यताएं हों। सिंगल बेंच ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया था, जहां 27 सप्ताह से अधिक और इतना ही नहीं 33 सप्ताह की गर्भावधि वाले मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी गई थी। अदालत ने एम्स को भ्रूण के ऊतकों को संरक्षित करने और डीएनए पहचान के लिए रिकॉर्ड रखने का भी आदेश दिया था। राज्य प्राधिकारियों को लड़की की चिकित्सा प्रक्रिया और देखभाल का खर्च वहन करने का निर्देश दिया गया था। लड़की के वकील के अनुसार, उसका यौन उत्पीड़न 2024 में दिवाली पर और फिर मार्च 2025 में हुआ। उसे अपनी गर्भावस्था का पता तब चला जब वह अपनी बहन के साथ डॉक्टर के पास गई। पुलिस ने मार्च में हुए यौन उत्पीड़न के आरोपी को गिरफ्तार किया है, लेकिन पिछले साल के आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मणिपुर : तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के मैत्रम इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (प्रो) संगठन के एक सदस्य को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान ओइनम हेमनजीत सिंह के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाइजिन मानिंग लेईकाई इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान ओइनम तोम्बा सिंह (57) के रूप में हुई जो काकचिंग और थौबल जिलों में विभिन्न पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली की गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने काकचिंग जिले के एलांग खांगपोकपी अवांग लेईकाई से पीडब्लूजी के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया जिसकी पहचान लौरेम्बम सुरेश (47) के रूप में हुई है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने एंड्रो खुमन (बरुनी हिल) की तलहटी से एक .303 राइफल, मैगजीन सहित दो नौ एमएम पिस्तौल, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, चार हथगोले, चार्जर सहित एक वायरलेस सेट और दो डेटोनेटर जब्त किए।

गुरुग्राम के मानेसर में 500 एकड़ में बनेगा डिज्नीलैंड, नायब सिंह सैनी सरकार ने दी मंजूरी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने मानेसर में पचगांव चौक के पास करीब 500 एकड़ भूमि पर डिज्नीलैंड बनाने को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर पर स्थित होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में एक विश्व स्तरीय मनोरंजन केंद्र स्थापित करना है, इससे हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा मिले और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। मुख्यमंत्री सैनी के अनुसार, डिज्नीलैंड परियोजना से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने है। बुनियादी ढांचे का विकास होगा और आसपास के क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव आएगा। गुरुग्राम को परियोजना के लिए सबसे आदर्श स्थान माना गया है, क्योंकि यहां कई फॉर्च्यून कंपनियों के मुख्यालय हैं और यह राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अलावा वर्तमान में हर साल होने वाले सूरजकुंड मेले की सफलता को देखते हुए, सरकार ने अब साल में तीन बार मेले आयोजित करने का विचार किया है।

लापरवाही से गाड़ी चलाने में मौत होने पर बीमा कंपनियां मुआवजा देने बाध्य नहीं

-सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर कोई लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना का शिकार होता है और उसकी जान चली जाती है तो बीमा कंपनियां उसे पैसे देने के लिए बाध्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि ओवरस्पीड या स्टंगट मामले में हादसा होने पर बीमा का पैसा नहीं मिलेगा। इसके लिए बीमा कंपनियों को मजबूर नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने इस फैसले के साथ ही पीड़ित परिवार को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना में जान गई है तो इसका भुगतान बीमा कंपनियों को नहीं करना होगा। कोर्ट ने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता ने लापरवाही से गाड़ी चलाई, नियम तोड़े और कार पलट गई, जिसमें उसकी जान चली गई। ऐसे मामलों में बीमा कंपनियों पर देनदारी नहीं

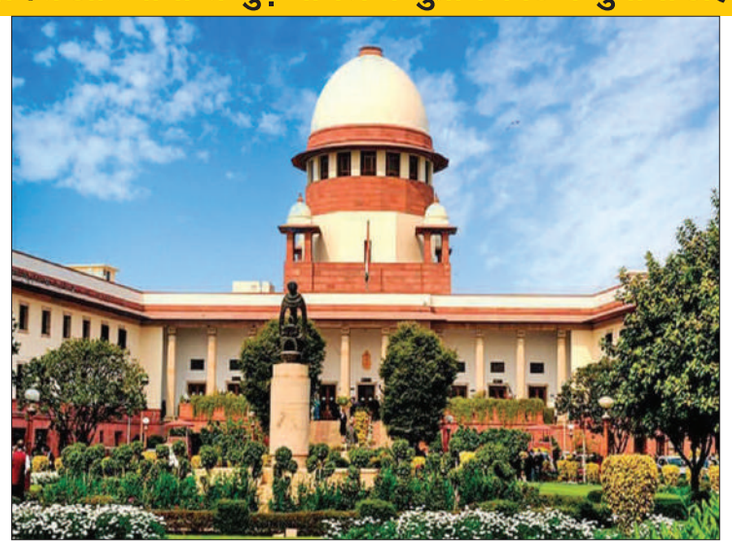

बनती है। बता दें हादसे में जान गंवाने वाले एनएस रविशा के परिवार ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। इस मांग को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि जब मौत व्यक्ति की अपनी गलती से होती है और कोई बाहरी कारण शामिल नहीं होता, तो परिवार मुआवजा नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के पिछले साल 23 नवंबर के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें उनके मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया गया था।

बता दें यह मामला 18 जून 2014 का है, जब एनएस रविशा मल्लसंद्रा गांव से अरसीकेरे शहर की ओर अपनी कार से जा रहे थे। उनके साथ पिता, बहन और बच्चे भी थे। लापरवाही से तेज गति में गाड़ी चलाई और यातायात नियमों का उल्लंघन किया, जिससे वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई। हादसे में रविशा की मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी, बेटे और माता-पिता ने 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। उनका दावा था कि वह एक ठेकेदार थे और प्रति माह 3 लाख रुपये कमा रहे थे। पुलिस ने अपनी चार्जशीट में खुलासा किया कि दुर्घटना रविशा की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। लिहाजा मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल ने परिवार के दावे को खारिज कर दिया था।

भारत ने फिर की सख्ती : बैन हुए पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया हैंडल

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उनमें पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को बैन करने जैसी कार्रवाई भी शामिल है। हालांकि बुधवार को उनके अकाउंट अनब्लॉक किए गए थे, लेकिन इसके एक दिन बाद ही एक बार फिर से ब्लॉक कर दिए गए हैं। गुरुवार सुबह से ही शाहिद अफरीदी, मावरा होकेन, युमना जैदी, हानिया आमिर और फवाद खान जैसे लोकप्रिय सितारों के इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट्स भारतीय यूजर्स के लिए बैन हो गए हैं। सरकार की ओर से बैन हटाने या दोबारा लागू करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कदम स्थायी है या अस्थायी। पाकिस्तानी सेलिब्रिटीज के खिलाफ यह प्रतिबंध भारत के सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगाया गया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। भारत के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ उठाए गए कदमों की कई पाकिस्तानी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर आलोचना की थी, जिसके बाद भारतीय यूज़र्स के लिए उनके अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया था। बुधवार को इन सितारों के अकाउंट्स कुछ घंटों के लिए फिर से भारत में दिखाई देने लगे थे, जिससे लगा कि शायद सोशल मीडिया बैन हटा लिया गया है। लेकिन गुरुवार सुबह तक भारतीय यूज़र्स को इंस्टाग्राम पर संदेश दिखने लगा जिसमें लिखा आ रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। बुधवार को अचानक इन अकाउंट्स के लौटने पर फैंस ने आश्चर्य जताया और सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। लेकिन एक दिन बाद ही दोबारा बैन लग जाने से अब यूजर्स में नाराजगी और भ्रम की स्थिति है।

आदित्य का सालियान से कोई संबंध नहीं था, राजनीति करने वाले माफी मांगे

-एनसीपी (एसपी) विधायक ने रोहित पवार ने कहा- सीएम करें कार्रवाई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दिशा सालियान मौत मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को क्लीन चिट मिलने पर एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने कहा कि हम शुरू से कह रहे हैं कि आदित्य ठाकरे और दिशा सालियान के बीच कोई संबंध नहीं था। पारिवारिक मुद्दों के कारण दिशा सालियान ने अपनी जान दी है। राजनीतिक लाभ के लिए एक ऐसी महिला का नाम इस्तेमाल करना बहुत गलत है जो अब इस दुनिया में नहीं है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी और एकनाथ शिंदे के पक्ष के कई नेताओं ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया और हमने उस समय भी कहा था कि उनके बीच कोई संबंध नहीं है। बिहार से महाराष्ट्र चुनाव तक आदित्य ठाकरे का नाम इस मुद्दे के साथ जोड़ा गया। रोहित पवार ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस राज्य के गृह मंत्री भी हैं और उन्हीं के विभाग ने कोर्ट को बताया है कि आदित्य और सालियान के बीच कोई संबंध नहीं था। मैं यही कहूंगा कि जिन नेताओं ने इस मुद्दे पर राजनीति की है, उन्हें मीडिया के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो सरकार को उन पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

रोहित ने महाराष्ट्र विधानसभा में कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के खिलाफ बैनर दिखाने पर कहा कि कोकाटे बहुत अहम मंत्रालय संभालते हैं, लेकिन उनके विभाग में कोई काम नहीं हो रहा है। महाराष्ट्र में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है, जहां किसानों की संख्या बहुत ज्यादा है। अगर कृषि मंत्री अक्षमता से काम करते हैं, तो इसका सीधा असर किसानों और आम लोगों पर पड़ता है। कोकाटे के बयानों को देखें तो उन्होंने किसानों के खिलाफ बयान दिया है। उनके बयानों के मद्देनजर मैंने पोस्टर दिखाया है।

रोहित ने पुणे में कुरियर बॉय द्वारा युवती से दुष्कर्म को लेकर महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लड़कियों के साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुणे में जो हुआ है, वो निंदनीय है। अपराधियों को ऐसा लगता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती, इसलिए वे ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

भारतीय संविधान में राजनैतिक हित के लिए धर्मनिरपेक्ष शब्द को जोड़ा गया : अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द को लेकर बड़ा बयान दिया। शंकराचार्य ने कहा कि यह शब्द मूल रूप से भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं था, बल्कि धर्मनिरपेक्ष को राजनैतिक हित के लिए बाद में जोड़ा गया। उनके अनुसार यह शब्द संविधान की मूल प्रकृति से मेल नहीं खाता, इसकारण अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। स्वामी सरस्वती ने कहा कि मूल रूप से संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं था, इस शब्द को बाद में जोड़ा गया। इसी कारण हैं कि यह भारतीय संविधान की प्रकृति के अनुरूप नहीं है और इस मुद्दे को बार-बार उठाया जाता है।

महाराज के अनुसार कि धर्म का अर्थ है सही और गलत के बारे में सोचना और सही को अपनाना और गलत को अस्वीकार करना। शंकराचार्य ने कहा, धर्मनिरपेक्ष होने का मतलब है कि हमें सही या गलत से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसा किसी के जीवन में नहीं हो सकता। इसलिए यह शब्द भी सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ये शब्द आपातकाल के दौरान जोड़े थे और ये बीआर अंबेडकर द्वारा तैयार मूल पाठ का हिस्सा नहीं थे।

कांग्रेस नेताओं ने दत्तात्रेय की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की आलोचना की है, जबकि उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी मांग का समर्थन किया है। सीपीआई सांसद पी संदोष कुमार ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर सवाल किया कि क्या संगठन वास्तव में भारतीय संविधान को स्वीकार करता है। भागवत को लिखे पत्र में सीपीआई सांसद ने कहा कि अब समय आ गया है कि आरएसएस ध्रुवीकरण के लिए इन बहसों को भड़काना बंद करे। उन्होंने कहा कि ये शब्द ÷मनमाने ढंग से डाले गए÷ नहीं बल्कि आधारभूत आदर्श हैं।

सुप्रीम कोर्ट की वकील को 9 दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, जालसाजों ने ठग लिए 3 करोड़

नोएडा। सेक्टर-47 में रहने वाली सुप्रीम कोर्ट में वकील रह चुकी बुजुर्ग महिला को नौ दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर तीन करोड़ 29 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने उनसे दिल्ली, महाराष्ट्र और कोलकाता में खुले बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई। आशंका जताई जा रही है कि ठगी की रकम किराये के खातों में गई। पूछताछ के क्रम में जालसाजों ने महिला को 16 जून से 24 जून तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। महिला के बैंक खातों और उसमें जमा राशि के बारे में जानकारी एकत्र की। महिला से कहा गया कि वह अपनी एफडी तुड़वा लें और सारी रकम उनके बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दें। ठगों द्वारा यह भी वादा किया गया कि जांच के बाद पूरी रकम मूल खाते में वापस आ जाएगी। महिला को लगा वह सच में बड़े संकट में फंस गई हैं और पुलिस अधिकारी उसको केस से बाहर निकालने में मदद कर रहे हैं। झांसे में आने के बाद महिला ने ठगों द्वारा बताए खाते में पांच बार में करीब तीन करोड़ 30 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

यूपी में दुकानों के साइनबोर्ड पर नाम और पहचान लिखने को लेकर राजनीति शुरु

-सपा कर रही तुष्टिकरण की राजनीति, नाम लिखने में क्या दिक्कत : पाठक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी दुकानों को अपने साइनबोर्ड पर मालिक का नाम और पहचान दिखाना अनिवार्य कर दिया है। इस फैसले पर सपा समेत विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। इस पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया है।

पाठक ने गुरुवार को कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग हमेशा प्रदेश में तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। उनका तुष्टिकरण का पुराना इतिहास है। हमारी प्रतिबद्धता कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करना है और हर स्थिति में कानून व्यवस्था को मेंटेन करेंगे। धर्म-कर्म के लिए कांवड़ यात्रा पर जाने वाले लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसकी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही व्रत के दौरान खाने-पीने की दुकान शुद्ध मिले, इसकी भी व्यवस्था करेंगे।

उन्होंने कहा कि हर खरीदार का अधिकार है कि वह जाने कि विक्रेता कौन है और वह

किससे सामग्री खरीद रहा है। इस मुद्दे को उठाकर सपा राजनीति कर रही है। सपा प्रदेश को आतंक और दंगों की आग में झोंकना चाहती है। मैं पूछता हूं कि अगर कोई खाने-पीने का सामान बेच रहा है तो उसे नाम लिखने में क्या दिक्कत है? समाजवादी पार्टी के लोगों के बयान निंदनीय हैं। वहीं मंत्री दयाशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि किसी को पहचान बताने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। मैं खुद मंत्री हूं और जहां भी जाता हूं या रहता हूं, मुझसे भी पहचान पत्र मांगा जाता है और मैं दिखाता भी हूं। इसमें अपमानजनक कुछ नहीं है।

मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि अगर सरकार सावन के पवित्र महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले हमारे भक्तों की सुरक्षा के लिए काम कर रही है, तो इससे किसी को क्या परेशानी है? हमें इस बात की निगरानी क्यों नहीं करनी चाहिए कि उन्हें क्या परोसा जा रहा है? मैं पूछता हूं कि नाम छिपाने के पीछे कौन सी मजबूरी है?

कांवड़ियों के लिए मेरठ रोड और एक्सप्रेसवे पर बंद होंगे भारी वाहन, वन वे होगा लागू

गाजियाबाद (एजेंसी)। कांवड़ियों को कहीं कोई असुविधा न हो इसके लिए दिल्ली-मेरठ रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। वहीं, 15 जुलाई से इन मार्गों को वन-वे किया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर डासना से मेरठ तक भी यही व्यवस्था लागू करने की योजना है। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस लाइन में अंतरराज्यीय स्तर पर समन्वयक बैठक हुई। इसमें कांवड़ यात्रा को लेकर की गईं तैयारियों पर चर्चा की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि 11 जुलाई से दिल्ली-मेरठ रोड और दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के चौथे फेज (डासना से मेरठ) पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर करने की तैयारी है। इस दौरान गंगनहर पटरी और पाइपलाइन मार्ग पर भी भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद करने की योजना है।

उन्होंने बताया कि दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास और जीटी रोड पर अंतिम चार दिन के दौरान रूट डायवर्जन किया जा सकता है। ऐसे में वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करना होगा। इस बार अतिरिक्त मार्गों पर पुलिसबल मौजूद रहेगा, ताकि कोई भी वाहन कांवड़ मार्ग पर न आ सके। शिवरात्रि और कांवड़ यात्रा के दौरान दूधेश्वरनाथ मंदिर समेत सभी मार्गों की ड्रोन से निगरानी होगी।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार, रूट डायवर्जन प्लान लागू होने के बाद दिल्ली से आने वाले वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग (रोड नंबर 58) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) होते हुए एनएच-9 से जा सकेंगे। वहीं, दिल्ली से जिन्हें हरिद्वार, अमरोहा, मुरादाबाद और लखनऊ आदि स्थानों पर जाना है, वे यूपी गेट से प्रवेश कर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होते हुए जा सकेंगे। इसके अलावा एनएच नौ के जरिये हापुड़ होते हुए मेरठ भी जा सकेंगे। वहीं, बुलंदशहर और हापुड़ की ओर से आने वाले वाहन लालकुआं से सीधे गाजियाबाद शहर की ओर न आकर एनएच-9 का प्रयोग करते हुए दिल्ली जा सकेंगे।

जीटी रोड भी बंद होगा

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के मुताबिक, सावन के पहले सोमवार से जीटी रोड स्थित दूधेश्वरनाथ मंदिर के आसपास का मार्ग बंद करने की योजना है। अभी बनी योजना के अनुसार, चौधरी मोड़ से हापुड़ तिराहा या मेरठ तिराहा की ओर जाने वाले वाहन घंटाघर फ्लाईओवर से होकर भेजे जा सकते हैं।फ्लाईओवर के नीचे से किसी भी वाहन को जाने नहीं देने की योजना है। विजयनगर की तरफ से भी वाहन को गोशाला बैरियर से आगे दूधेश्वरनाथ की ओर नहीं भेजने की योजना है। हालांकि, यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए लागू की जाएगी।

बिहार वोटर लिस्ट पर जो काम हो रहा है उसकी निगरानी करें: आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर बिहार में चुनाव से ठीक पहले हो रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) से संबंधित मुद्दों पर

अपनी शंका, आपत्ति दर्ज की तो आयोग ने उन्हें संवैधानिक व्यवस्था में आयोग को दिये गए लिखित अधिकारों की पुस्तिका पकड़ा दी। फिर उनसे पूछा, आप बताएं आयोग कहाँ और कौन सा गैर कानूनी, गैर संवैधानिक कार्य कर रहा है। आयोग वही कर रहा है जो आयोग का कर्तव्य है। अधिकार है।

चर्चा के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और डॉ. विवेक जोशी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक आज शाम को आयोजित की गई, जिसमें सभी पक्षों के विचारों को सुनने के लिए आयोग ने प्रत्येक राजनीतिक दल से दो-दो प्रतिनिधियों को शामिल करने का निर्णय लिया। कुछ प्रतिनिधियों को अपॉइंटमेंट दिया गया था, जबकि कुछ बिना अपॉइंटमेंट, बिना पूर्व सूचना के आये आयोग सूत्रों ने बताया उन्हें भी बैठक में शामिल होने की अनुमति प्रदान की गई। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि बिहार में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का आयोजन भारत के संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपी एक्ट) 1950 और 24 जून 2025 को जारी निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अद्यतन और सटीक बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एसआईआर से संबंधित कई महत्वपूर्ण चिंताएँ और सुझाव रखे। इनमें मतदाता सूची में त्रुटियों का सुधार, नए मतदाताओं का पंजीकरण, डुप्लिकेट प्रविष्टियों को हटाना और तकनीकी व प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे। आयोग ने प्रत्येक प्रतिनिधि द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का विस्तार से जवाब दिया और उनकी चिंताओं का समाधान करने का पूर्ण आश्वासन दिया। आयोग ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी, समावेशी और निष्पक्ष बनाने के लिए सभी दलों के सहयोग की सराहना की। निर्वाचन आयोग ने विशेष रूप से सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए 1.5 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त किए।

शुभमन गिल ने किया कमाल, सेना देशों में टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले बने पहले भारतीय कप्तान

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा इतिहास रच दिया है। दरअसल, शुभमन गिल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि सेना देशों में टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अभी तक 192 रनों के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन टॉप पर थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाप ऑकलैंड में ये करिश्मा किया था। इसके अलावा वे इंग्लैंड में तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने टेस्ट मैच में 200 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेली है।

भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा इतिहास रच दिया है। दरअसल, शुभमन गिल इंग्लैंड ही नहीं, बल्कि सेना देशों में टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अभी तक 192 रनों के साथ मोहम्मद अजहरुद्दीन टॉप पर थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाप ऑकलैंड में ये करिश्मा किया था। इसके अलावा वे इंग्लैंड में तीसरे भारतीय हैं, जिन्होंने टेस्ट मैच में 200 या इससे ज्यादा रनों की पारी खेली है।

शुभमन गिल बतौर कप्तान इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय हैं, जबकि बतौर खिलाड़ी ऐसा करने वाले वे भारत के तीसरे खिलाड़ी हैं। सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ ने इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ा हुआ है। गिल का बल्ला इस सीरीज में जमकर बोल रहा है। वे एकमात्र प्लेयर हैं जो 350 से ज्यादा रन बना चुके हैं। पहले मैच में भी उन्होंने शतक जड़ा था। वे पहली पारी में 147 रन बनाने में सफल हुए थे। हालांकि, दूसरी पारी में सिर्फ 8 रन ही बना सके थे। इस तरह इस पारी खो मिलाया जाए तो वे 350 से ज्यादा रन सिर्फ तीन पारियों में बना चुके हैं।

पाकिस्तान को भारत में एशिया कप खेलने की अनुमति मिलेगी या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान की टीम को अगले महीने भारत में एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी जाएगी। खेल मंत्रालय के सूत्र ने कहा कि भारत कई देशों की भागीदारी वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान से खेलेगा।

सूत्र ने कहा, 'हम किसी भी टीम के भारत में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन द्विपक्षीय प्रतियोगिता अलग होती है।' हॉकी एशिया कप 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित किया जाएगा जिसमें भारत सहित आठ टीमें भाग लेंगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण अगले महीने एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर संदेह था। एशिया कप के अलावा नवंबर-दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप में भी पाकिस्तान की टीम को खेलने की अनुमति दी जाएगी।

काउंटी क्रिकेट में ईशान किशन ने की गेंदबाजी, हरभजन और शेन वॉर्न के बॉलिंग एक्शन को करते दिखे कॉपी

मुम्बई (एजेंसी)। ईशान किशन मौजूदा समय में इंग्लैंड में मौजूद हैं। जहां वह काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन 1 में नॉटिंघमशर के लिए खेल रहे हैं। इसदौरान उन्होंने अर्धशतक बनाया है। बुधवार को ईशान किशन ने समरसेट के खिलाफ मुकाबले के दौरान गेंदबाजी की। हालांकि, उनके एक्शन ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। किशन भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के बॉलिंग एक्शन की नकल करते दिखे हैं।

ईशान किशन ने अपने ओवर के दौरान ऑफ स्पिन और लेग स्पिन की। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में अपनी पहली गेंद पर हरभजन सिंह का बॉलिंग एक्शन कॉपी करने की कोशिश की। टॉम कोहलर कैडमोर के खिलाफ उन्होंने ये गेंद डाली, जोकि 140 के करीब बल्लेबाजी कर रहे थे। ईशान किशन ने शुरुआती 4 गेंद ऑफ स्पिन की, इसके बाद उन्होंने राउंड द विकेट शेन वॉर्न के बॉलिंग एक्शन की कॉपी की। ईशान किशन ने मैच का आखिरी ओवर डाला। इस दौरान उन्होंने एक रन दिया। उनका गेंदबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। समरसेट ने कैडमोर के 147 रनों के बदौलत दूसरी पारी में 4 विकेट पर 238 के स्कोर पर पारी घोषित की। उनके पास 108 रन की बढ़त थी, जब ड्रॉ के लिए सहमति बनी। इससे पहले समरसेट ने पहली पारी में 379 रन बनाए। टॉम बैंटन और टॉम अबेल ने अच्छा योगदान दिया। इसके जवाब में नॉटिंघमशर ने 163.2 ओवर में 509 रन बनाए।

राष्ट्रीय टीम के अलावा इंग्लैंड में खेल रहे वैभव, तिलक सहित अन्य क्रिकेटरों पर भी रहेंगी गंभीर की नजरें

लंदन **(एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही अंडर-19 टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है। इसके अलावा टीम से बाहर चल रहे कई युवा क्रिकेटर यहां काउंटी में खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजरें मुख्य टीम के अलावा यहां खेल रहे अन्य खिलाड़ियों पर भी रहेंगी।

आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय अंडर 19 टीम में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सहित कई उभरते हुए क्रिकेटर हैं। इसे अलावा तिलक वर्मा, ईशान किशन सहित कई अन्य युवा खिलाड़ी काउंटी में खेल रहे हैं। काउंटी चैंपियनशिप में हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक का अब तक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछली बार एसेक्स के खिलाफ शानदार शतक लगाने के बाद इस क्रिकेटर ने वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ 56 रन बनाये। तिलक भारतीय टी20 टीम के सदस्य हैं पर टेस्ट में अब तक जगह नहीं बना पाये हैं।

मुशीर खान- मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मुशीर खान ऑलराउंडर हैं। इंग्लैंड में मुंबई इमर्जिंग टीम की ओर से मुशीर ने नॉटिंघमशर की सेकंड इलेवन के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 6 विकेट लिए। वह मुम्बई क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित दौरे पर एक माह के लिए इंग्लैंड गये हैं।

ईशान किशन- भारतीय टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन काउंटी भी आजकल क्रिकेट खेलकर में शामदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नॉटिंघमशायर काउंटी की ओर से खेलते हुए इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। समरसेट के खिलाफ मैच में ईशान ने 128 गेंदों में 77 रन बनाए थे। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने यॉर्कशायर के खिलाफ 98 गेंदों में 87 रन बनाए थे।

स्पॉट फिक्सिंग में प्रतिबंधित रहे अंकित बने मुम्बई टीम के कोच

मुम्बई (एजेंसी) । मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पूर्व स्पिनर अंकित चव्हाण को नया कोच बनाया है। जिससे सभी हैरान हैं। अंकित 2013 स्पॉट फिक्सिंग मामले के आरोपी रहे हैं। स्पॉट फिक्सिंग में फंसने के बाद अंकित पर प्रतिबंध लग गया था पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईद्ध) ने साल 2021 में इसे घटाकर सात साल कर दिया था। जिससे वह दो साल पहले ही खेल में वापसी कर पाए हैं। अंकित ने अपने करियर में 18 फर्स्ट क्लास, 20 लिस्ट ए और 13 आईपीएल मैच खेले हैं। ये स्पिनर प्रतिबंध के दौरान भी मुंबई के कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लब के लिए क्लब क्रिकेट खेलता रहा और उसने कोचिंग के लिए जरुरी लेवल-1 परीक्षा भी पास की। जिससे उसे एक और अवसर खेल से जुड़ने का मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा है कि यह मेरे लिए दूसरी पारी है और मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। जिंदगी में हमेशा वापसी का अवसर होता है। इसके लिए मैं मुंबई क्रिकेट संघ का आभारी भी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। कोचिंग मेरे मन में पहले से थी और मुझे आने वाली कठिन चुनौतियों के बारे में पता है। मैं अंडर-14 क्रिकेट के खिलाड़ियों की बुनियादी तकनीकों पर काम करना चाहता हूं ताकि वे अपने खेल में बेहतर हो सकें। गौरतलब है कि 2013 में बीसीसीआई की अनुशासन समिति ने एस. श्रीसंत, अजीत चंडिला और अंकित चव्हाण को आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग का दोषी मानते हुए आजीवन प्रतिबंध लगाया था। साल 2015 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में इन सभी खिलाड़ियों को बरी कर दिया हालांकि बीसीसीआई ने प्रतिबंध जारी रखा। बाद में जून 2021 में बीसीसीआई ने सभी पर से प्रतिबंध को घटाकर सात साल कर दिया.

तमिलनाडु प्रीमियर लीग : अश्विन की आक्रामक बल्लेबाजी से जीती डिंडीगुल ड्रैगन्स

चेन्नई । डिंडीगुल ड्रैगन्स की कप्तानी करते हुए अश्विन दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 48 गेंदों पर ही 83 रन बना दिये। अश्विन अपनी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं पर यहां उन्हें 11 चौके व तीन छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया। उनकी इस पारी से डिंडीगुल ड्रैगन्स ने ये मैच जीत लिया। अश्विन की पारी से एलिमिनेटर में त्रिची ग्रैंड चोलाज छह विकेट से हार गयी। अब डिंडीगुल ड्रैगन्स का मुकाबला क्वालिफायर-2 में शुक्रवार को चेपॉक सुपर गिलीज से होगा। इसमें विजेता टीम फानल में पहुंचेगी। एलिमिनेटर मुकाबले में अश्विन ने टॉस जीतकर त्रिची ग्रैंड चोलाज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अश्विन ने तीन विकेट लेकर उसे करारा झटका दिया। बाद में 141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अश्विन की डिंडीगुल ड्रैगन्स ने तेजी से रन बनाये। अश्विन ने शिवम सिंह के साथ पहले 5 ओवरों में ही 50 रन बना दिये। शिवम 5वें ओवर में आउट हो गए पर अश्विन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए त्रिची के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

युवराज और सचिन भी हुए शुभमन और यशस्वी की बल्लेबाजी से प्रभावित

मुम्बई । सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंइ ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में लगातार दूसरा शतक लगाया है। शुभमन ने दूसरे टेस्ट में जहां नाबाद 114 रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 87 रनों की पारी खेलकर खेली। इंग्लैंड में विपरीत हालातों में इनकी बल्लेबाजी से सचिन और युवराज काफी प्रभावित हैं। इन दोनो ने ही शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा, 'उसने पहली गेंद से ही लय हासिल कर ली। वह सकारात्मक, निडर और चतुराई से आक्रामक बल्लेबाजी करता दिखा। वहीं शुभमन को लेकर कहा, हमेशा की तरह शांत, दबाव में शांत, डिफेंस में मजबूत और पूरी तरह से पारी पर नियंत्रण करते दिखा। दोनों ने शानदार पारी खेली।' वहीं शुभमन के गुरु रहे युवराज ने कहा , 'जब जिम्मेदारी आती है, तो कुछ लोग आगे बढ़ते हैं और कुछ ऊंची उड़ान भरते हैं। शुभमन टेस्ट कप्तान के रूप में लगातार शतक बनाने वाले इन्हीं खिलाड़ियों में से एक हैं। शांत दिमाग, बोल्ड बल्लेबाजी और उदाहरण पेश करके नेतृत्व करने की क्षमता उनमें है।' वहीं उनकी इस बल्लेबाजी से उन लोगों को करारा जवाब मिला है जो कप्तान बनाते समय आरोप लगाते रहे हैं कि कमजोर बल्लेबाजी के कारण शुभमन की जगह टेस्ट में पक्की नहीं है।

सुपरयूनाइटेड रैपिड शतरंज : गुकेश नें प्रज्ञानन्दा को हराया

जाग्रेब , क्रोसिया (एजेंसी)। सुपरयूनाइटेड रैपिड के पहले दिन भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डी ने लगातार दो जीत दर्ज करते हुए अच्छी शुरुआत की है । गुकेश को पहले राउंड में पोलैंड के यान डूड़ा से हार का सामना करना पड़ा था और ऐसे में एक बार फिर रैपिड में उनके खेल पर सवाल उठ ही रहे थे की उन्होने लगातार दो बाजियों में पहले फ्रांस के अलीरेजा को सफ़ेद मोहरो से और फिर हमवतन प्रज्ञानन्दा को काले मोहरो से पराजित करते हुए शानदार वापसी की । गुकेश नें इन दोनों खेल में समय और आक्रामक शतरंज दोनों का उपयुक्त तालमेल दिखाया और यह जताया की वह इस फॉर्मेट में भी लगातार खुद को बेहतर कर रहे है । इस जीत के साथ गुकेश नॉर्वे के मैगनस कार्लसन ,पोलैंड के यान डुड़ा और यूएसए के वेसली सो के साथ 4 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर पहुँच गए है ।

प्रज्ञानन्दा के साथ गुकेश के मुकाबले पर सबकी नजरे थी और उन्होने ओपनिंग से ही केंद्र में मजबूत पकड़ बनाते हुए अपने खेल की मजबूती दिखाई। खासकर केंद्र में उनके प्यादे का खेलना खेल का मोड़ साबित हुआ।

दूसरी ओर, प्रज्ञानन्दा की वजीर के हिस्से पर खेल की चालों ने कुछ हद तक संतुलन में लाने का मौका दिया, लेकिन समय की कमी में प्रज्ञानन्दा सही चाल नहीं खोज पाए। अंत में गुकेश ने अपने अनुभव और कुशलता का परिचय देते हुए एंडगेम में निर्णायक चालें चलकर जीत हासिल की।

कल भी रैपिड में तीन राउंड खेले जाएंगे जिसमें गुकेश का सामना उज्बेक्सितान के अब्दुसत्तारोव , यूएसए के फबियानों करूआना और नॉर्वे के मैगनस कार्लसन से होगा जबकि प्रज्ञानन्दा जो फिलहाल दो ड्रॉ के साथ आठवें स्थान पर है उनका सामना भी फबियानों करूआना और मैगनस कार्लसन और नीदरलैंड के अनीश गिरि से होगा

फुटबॉलर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जताया दुख

जमोरा (स्पेन) । लिवरपूल और पुर्तगाल के फॉरवर्ड डिओगो जोटा की स्पेन में गुरुवार को 28 साल की उम्र में कार दुर्घटना में मौत हो गई। स्काई स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार दुर्घटना के समय जोटा अपने भाई के साथ कार में थे। प्रीमियर लीग और लिवरपूल फुटबॉल क्लब ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर फुटबॉलर के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उनकी मौत पर पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दुख प्रगट किया है।

प्रीमियर लीग घटना से स्तब्ध – प्रीमियर लीग ने एक्स पर लिखा, 'प्रीमियर लीग में हर कोई डियोगो जोटा और उनके भाई आंद्रे के दुखद निधन के बारे में जानकर स्तब्ध है। इस दुखद समय में हमारी हार्दिक संवेदनाएं डियोगो के परिवार, दोस्तों, लिवरपूल एफसी और उनके सभी समर्थकों के साथ हैं। फुटबॉल ने एक चैंपियन खो दिया है जिसकी कमी हमेशा खलेगी। हम क्लब में अपने दोस्तों और सहकर्मियों का समर्थन करना जारी रखेंगे।' एलएफसी ने एक्स पर लिखा, 'लिवरपूल फुटबॉल क्लब डियोगो जोटा के दुखद निधन से स्तब्ध है।'

रोनाल्डो ने शोक व्यक्त किया – रोनाल्डो ने शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'अभी हम नेशनल टीम में साथ थे, अभी आपकी शादी हुई थी। आपके परिवार, आपकी पत्नी और आपके बच्चों के लिए मैं अपनी संवेदनाएं भेजता हूं। मुझे पता है कि आप हमेशा उनके साथ रहेंगे। शांति से आराम करो, डिओगो और आंद्रे। हम सभी आपको याद करेंगे।'

ब्रैथवेट खेलेंगे 100वां टेस्ट, वेस्टइंडीज खिलाड़ियों के विशेष क्लब में होंगे शामिल

बारबाडोस (एजेंसी)। क्रेग ब्रैथवेट आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे और वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन जाएंगे। वह विव रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड, ब्रायन लारा और गॉर्डन ग्रीनिज जैसे खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल हो जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ब्रैथवेट सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज क्रिकेट की आधारशिला बन गए हैं, उन्होंने 99 टेस्ट मैचों में 12 शतकों के साथ 5943 रन बनाए हैं, उनमें से 39 में टीम का नेतृत्व किया है, किसी भी अन्य वेस्टइंडीज खिलाड़ी की तुलना में अधिक गेंदों का सामना किया है और 2022 में आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर में स्थान अर्जित किया है। उनकी यात्रा 2011 में 18 वर्षीय नवोदित खिलाड़ी के रूप में शुरू हुई, लेकिन यह विश्वास बहुत पहले ही जड़ जमा चुका था, जब उन्होंने सिर्फ़ 14 वर्ष की आयु में ही पूरे आत्मविश्वास के साथ घोषणा की थी कि वह एक दिन वेस्टइंडीज के लिए 100 टेस्ट खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर क्रेग ब्रैथवेट ने कहा, 'मैंने यह लक्ष्य तब तय किया था, जब मैं शायद 14 वर्ष का था - 100 टेस्ट खेलना। अब मैं 18 साल बाद वेस्टइंडीज के लिए अपना सौवां टेस्ट खेल रहा हूं। मैं बहुत आभारी हूं, और मैं बस युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनना चाहता हूं।% मई 2011 में बैसेटेरे में पाकिस्तान के खिलाफ ब्रैथवेट के लिए यह ड्रीम डेब्यू नहीं था। उन्होंने एक बाउंड्री के साथ शुरुआत की, लेकिन 15 और 0 के स्कोर ने उनके टेस्ट करियर की एक शांत शुरुआत को चिह्नित किया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस विश्वास को जमने में समय लगा, लेकिन एक बार जब यह जम गया, तो पीछे मुड़कर नहीं देखा। मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट में एक शानदार अर्धशतक ने फॉर्म में वापसी की, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ अपने अगले चार मैचों में उन्होंने तीन और अर्धशतक लगाए। ब्रैथवेट को अपना पहला टेस्ट शतक बनाने में तीन साल लग गए, 2014 में पोर्ट ऑफ स्पेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक संयमित पारी।लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम में उनकी जगह को मजबूत किया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ मेरा पहला शतक एक ऐसा एहसास था जिसे मैं वास्तव में शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मुझे विश्वास नहीं था कि मैं टेस्ट शतक के इतने करीब पहुंच जाऊंगा, और फिर इसे हासिल करने के बाद, मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मैंने वेस्टइंडीज के लिए 100 रन बनाए।

अगले सत्र में रॉयल्स की जगह सीएसके से खेल सकते हैं सैमसन

मुंबई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर चेन्नईसुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। सैमसन ने 18 वें सत्र में रॉयल्स की कप्तानी की थी पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में अब रॉयल्स आईपीएल के अगले सत्र के लिए नये सिरे से टीम बनाने जा रही है। वह तकरीबन आधे खिलाड़ी बदलने पर विचार कर रही है। रॉयल्स ने अब तक किसी का नाम नहीं बताया है पर जिन खिलाड़ियों के लिए ट्रेड-ऑफ की मांग सबसे अधिक होगी, उनमें से एक सैमसन हो सकते हैं। ऐसे में सैमसन और रॉयल्स की टीम आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। वैसे भी टीम के पास ध्रुव जुरेल के रूप में एक अच्छा विकेटकीपर बल्लेबाज है। आईपीएल में अभी दो टीमों को अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज की जरूरत है। इसमें सीएस के और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने पर संशय बना हुआ है।

गौरतलब है कि आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए ट्रेडिंग विंडो बाद चार जून से ही शुरू हो गई थी और यह 2026 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख से एक सप्ताह पहले तक जारी रहेगी। खिलाड़ियों की नीलामी समापत होने के बाद विंडो फिर से खुलेगी और अगले सत्र की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले बंद हो जाएगी। ट्रेड-ऑफ कई तरह के होते हैं। इसमें टीमों की आपसी सहमति के बाद एक ही कीमत पर खिलाड़ियों की अदला-बदली होती है। इसमें अधिक कीमत वाले खिलाड़ी को रखने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि मिलती है, वहीं एकतरफा नकद सौदा भी होता है इसमें एक फ्रेंचाइजी नीलामी से पहले अपने पर्स को बढ़ाने के लिए खिलाड़ी को बेचती है। ''इसमें सबसे अहम बात यह है कि हर टीम अपनी टीम को मजबूत करने वाली किसी भी चीज के लिए तैयार रहती है। सैमसन पिछले कई वर्षों से राजस्थान टीम का अहम हिस्सा रहे है पर कप्तान के तौर पर रियान पराग के सामने आने के बाद उनके लिए टीम में बने रहना आसान नहीं होगा। पिछले सत्र में जब सैमसन चोटिल थे जब पराग ने टीम की कमान संभाली थी। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और खराब फार्म से भी रॉयल्स उन्हें बदलना चाहेगी।

जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे, गॉफ और ज्वेरेव बाहर हुए

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। वहीं महिला वर्ग में अमेरिकका की कोको गॉफ को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है। जोकोविच पहले दौर के मैच में पेट दर्द से भी परेशान रहे। इस कारण उन्हें दो बार मेडिकल हेल्प भी लेनी पड़ी के कारण दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। जोकोविच ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-1, 6-7 (7), 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। जोकोविच ने कहा, ''मैं मैच के दौरान काफी परेशान था पर किसी प्रकार दवा लेकर खेलने में सफल रहा।'' वहीं एक अन्य मुकाबले में ज्वेरेव को आर्थर रिंडरक्नेच ने पांच सेटों तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-7 (8), 6-3, 6-7 (5), 6-4 से हराया। महिला एकल की बात करें तो गॉफ पहले दौर में ही हार गयी। उन्हें दयाना यास्त्रेम्स्का ने 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया। वहीं इस साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लोरेंजो मुसेट्टी भी पहले दौर में ही हार कर बाहर हो गये। उन्हें निकोलोज बेसिलशविली ने हराया। इस तरह से विंबलडन में पहले दो दिन में 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बाहर हो गये हैं।

ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे हर्षवर्धन राणे

सनम तेरी कसस फिल्म से सबके दिलों में छा जाने वाले अभिनेता हर्षवर्धन राणे अब एक शानदार फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका पोस्टर और टाइटल रिवील कर कर दिया गया है। बीते दिनों अभिनेता को इस आगामी फिल्म की तैयारी करते हुए देखा गया था।

हर्षवर्धन राणे की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। इसे अभिनेता ने अपने इंस्टग्राम पर शेयर किया है। इस पोस्टर में अभिनेता के साथ सादिया खतीब नजर आ रही हैं, जिसमें एक्टर ने सादिया को जोर से पकड़ रखा है। इसके साथ ही दोनों को घायल अवस्था में देखा जा सकता है, जिसमें वे खून से लथपथ दिख रहे हैं। इस पोस्टर को रिलीज करते हुए फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के टाइटल का भी एलान कर दिया है। इस फिल्म का नाम है सिला।

फिल्म के बारे में

हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब की आगामी फिल्म सिला का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। इसके अलावा आपको बताते चलें कि फिल्म में निगेटिव रोल में करणवीर मेहरा नजर आएंगे। वहीं इस फिल्म की शूटिंग कल यानी 01 जुलाई से शुरू हो रही है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नेटिजंस कमेंट सेक्शन में लिखा रहे हैं कि पोस्टर से लग रहा है कि फिल्म शानदार साबित होगी।

हर्षवर्धन राणे का वर्कफ्रंट

हर्षवर्धन राणे के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। फिल्म 02 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है। फिल्म में अभिनेता के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

डिजिटल डेब्यू को तैयार वाणी; पहली बार इस अंदाज में आएंगी नजर

हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आईं अभिनेत्री वाणी कपूर अब अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वो यशराज के नए शो में नजर आने वाली हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया है, इसमें वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

नेटफ्लिक्स की ओर से अपनी नई सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' का पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में वाणी कपूर के साथ सुरवीन चावला, 'गुल्लक' फेम एक्टर वैभव राज गुप्ता और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर नजर आ रही हैं। पोस्टर में वाणी बंदूक ताने दिख रही हैं, जबकि सुरवीन चाहला हाथ जोड़े महिला नेता के किरदार में नजर आ रही हैं। जबकि वैभव राज गुप्ता बियर्ड लुक में आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए दिख रहे हैं। पोस्टर में श्रिया पिलगांवकर काफी सजी-धजी खड़ी हैं।

25 जुलाई को होगी रिलीज

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'हर वरदान में एक श्राप छिपा है। मोल चुकाने का वक्त जल्द आने वाला है।' इसके साथ ही इस सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। नेटफ्लिक्स की ये नई सीरीज 25 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे यशराज फिल्म ने प्रजेंट किया है।

'रेड 2' में अजय देवगन के साथ नजर आई थीं वाणी

वाणी कपूर हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आई थीं। वो फिल्म में अजय देवगन के किरदार अमय पटनायक की पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा सुरवीन चावला हाल ही में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स के ही शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में दिखी थीं। इसके अलावा वो पंकज त्रिपाठी के शो 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन में भी नजर आई हैं। वहीं श्रिया पिलगांवकर हाल ही में जी5 की सीरीज 'छल कपट- द डिसेप्शन' में नजर आई थीं।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं विद्या बालन

अभिनेता, निर्माता और निर्देशक रितेश देशमुख पिछले काफी समय से फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में हैं। वह न सिर्फ इसमें लीड रोल निभा रहे हैं, बल्कि इसके निर्देशन की कमान भी संभाल रहे हैं। अब फिल्म को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। इसकी कास्ट और बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को फिल्म में शामिल कर दिया है। विद्या एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो भारतीय इतिहास के सबसे दमदार अध्यायों में से एक की कहानी कहती है। उन्होंने फिल्म के लिए फौरन हां कर दी। रितेश भी विद्या के साथ काम करने के लिए उतावले हो रहे हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही करवा लिया है और अब वह जल्द ही सेट पर शूटिंग में शामिल होंगी।

हेरा फेरी 3 पर रिलीज के बाद ही बात करूंगा

अभिनेता सुनील शेट्टी हिंदी भाषा और अपकमिंग फिल्म 'हेरा फेरी 3' पर बात की। अभिनेता ने हिंट दिया कि फिल्म को लेकर फिर से दर्शकों को मजा आएगा। कॉमेडी से भरपूर फिल्म परिवार के साथ देखने वाली है, जो बड़े-बच्चों के साथ सभी को पसंद आएगी। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, मैं अब फिल्म के बारे में बात रिलीज के दिन ही करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने ओटीटी और फिल्म पर भी बात की। शेट्टी ने सिनेमाघरों को 'पापा' की संज्ञा और देते हुए ओटीटी को बच्चों की संज्ञा दी। उन्होंने बताया, कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स आ चुके हैं और यह अच्छी बात है। दरअसल, सिनेमाघर 'पापा' हैं और ओटीटी उनके बच्चे हैं। बच्चे हर हाल में पिता के लिए अच्छे होते हैं। वे सपोर्ट ही करते हैं। अभिनेता ने बताया कि यदि किसी चीज में बदलाव चाहिए तो उसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी एक्टर्स पर लगे प्रतिबंध पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेता ने बताया, रिश्ते तो हमेशा ऊपर-नीचे होते ही रहते हैं। पहलगाम की बात करें तो मेरा मानना है निश्चित तौर पर बैन होना चाहिए। जब तक माहौल सही न हो जाए। बात केवल कला की नहीं है। राजनीति, खेल और एंटरटेनमेंट सभी क्षेत्रों को यह बात समझनी होगी।

केके मेनन ने बताया को-एक्टर के साथ कैसा बर्ताव करते हैं बिग बी

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपने आगामी वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता शो के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान केके मेनन ने बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को लेकर बात की और उन्हें भगवान का बच्चा बताया। उन्होंने बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभव को भी साझा किया।

अमिताभ बच्चन आज भी नए कलाकार की तरह काम करते हैं

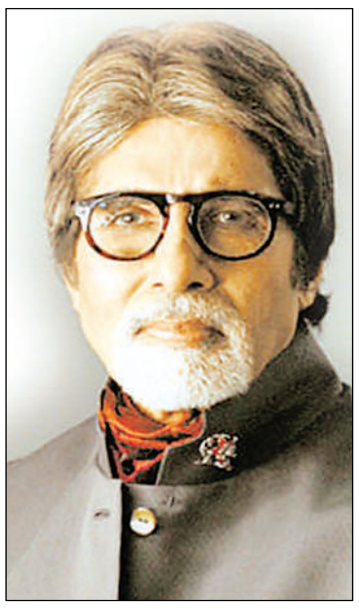

पॉडकास्ट में केके मेनन ने इस दौरान अपने शो से इतर कई मुद्दों पर बात की। बिग बी के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा करते हुए केके मेनन ने उनकी तारीफ की। अभिनेता ने कहा, 'अमिताभ बच्चन भगवान के बच्चे हैं। उनकी पीढ़ी वाले कौन हैं अभी जो एक्टिव हों, लेकिन वो आज भी उतने ही सक्रिय हैं। वह आज भी प्रासंगिक हैं। वह हर सुबह उठते हैं और एक्सरसाइज करना शुरू कर देते हैं। हम इसे चमत्कार और जादू कहते हैं। मैंने सीखा है कि अगर कोई व्यक्ति जो इतना अनुभवी है, एक नए व्यक्ति की तरह काम कर रहा है, तो हम कौन हैं?'

बिग बी प्रतिभा और अनुशासन का बेहतरीन उदाहरण हैं

बिग बी के साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव को बताते हुए केके मेनन ने कहा कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। केके ने कहा कि बिग बी अपने को-एक्टर को काफी महत्व देते हैं। उन्होंने फिल्म 'सरकार' के समय को याद करते हुए एक सीन के दौरान अमित जी ने रामगोपाल वर्मा से मेरा क्लोजअप शॉट लेने को कहा क्योंकि वो चाहते थे कि मेरे हाव-भाव कैमरे में कैद हों। उन्होंने कहा कि बिग बी एक प्रतिभाशाली और अनुशासित अभिनेता हैं। अनुशासन के बिना प्रतिभा लंबे समय तक नहीं टिकती। अमिताभ बच्चन अनुशासन के साथ प्रतिभा का एक बेहतरीन उदाहरण हैं।

11 जुलाई को रिलीज होगा 'स्पेशल ऑप्स 2'

केके मेनन जल्द ही अपने वेब शो 'स्पेशल ऑप्स 2' में नजर आएंगे। इस सीरीज में वो रॉ ऑफिसर हिम्मत सिंह का किरदार निभा रहे हैं। इस बार की सीजन एआई के बढ़ते प्रभाव से होने वाले नुकसान और साइबर अटैक पर आधारित है। इससे पहले 'स्पेशल ऑप्स' के दो सीजन आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। इस नए सीजन के ट्रेलर भी आते ही धमाल मचा दिया था। अब फैंस 11 जुलाई को जियो-हॉटस्टार पर रिलीज होने वाले इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

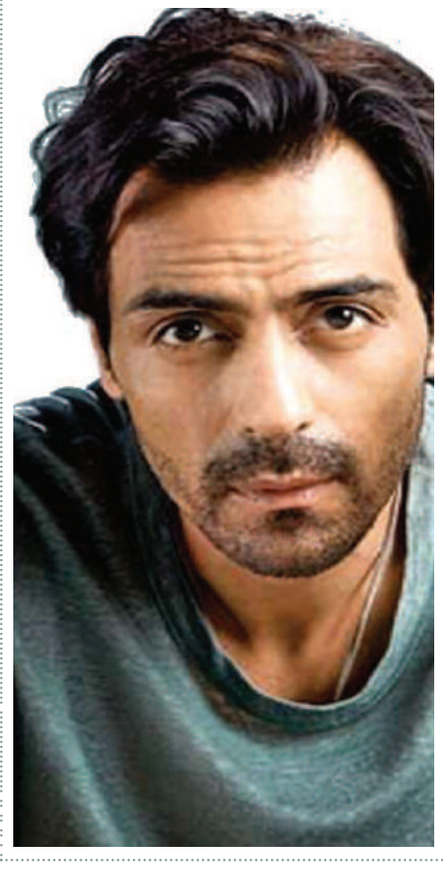

पहली फिल्म बनने में 6 साल लगे, रेंट के पैसे नहीं थे, मॉडल है एक्टिंग नहीं आती कहकर नकारा गया

एक जमाने में सुपर मॉडल रहे अर्जुन रामपाल ने जब फिल्मों में कदम रखा, तो मॉडल होने के नाते उन्हें लंबे समय तक आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा कि मॉडल अभिनय नहीं कर सकते, मगर बीते 25 सालों में अर्जुन लगातार अपने क्राफ्ट पर काम करते गए और रॉक ऑन केे लिये उन्होंने सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी हासिल किया। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई वेब सीरीज राना नायडू से।

आप जब मॉडलिंग से फिल्मों में आए तो आपकी पहली फिल्म मोक्ष को बनने में पूरे 6 साल लग गए थे, वो समय आपके लिए कितना कठिन था?

मैंने जब अपनी पहली फिल्म मोक्ष के रशेज (कुछ दृश्य) देखे तो मुझे खुद से नफरत हो गई थी। मुझे लगा कि मैं कैमरे के सामने इतना स्टिफ क्यों लग रहा हूं। फिर मैंने उसका विश्लेषण किया और मैंने पाया कि मॉडल के रूप में हमें कैमरे के आगे विशेष तरह से चलने और पोज देने की ट्रेनिंग दी जाती है, मगर जब आप फिल्म करते हैं, तो आपको किरदार में ढलना होता है। आपको बुत की तरह खड़े नहीं रहना होता। उन रशेज को देखकर मैंने तय किया कि मैं एक्टर की दिशा में आगे कदम बढ़ाऊंगा, तो मैंने ऐलान कर दिया कि मैं मॉडलिंग से संन्यास ले रहा हूं। तब मैं नहीं जानता था कि मोक्ष को बनने में 6 साल लग जाएंगे। मैं मॉडलिंग छोड़ चुका था और मेरे इनकम का स्त्रोत भी बंद हो चुका था। बहुत मुश्किल समय था। कई बार मेरे पास किराया भरने के पैसे नहीं होते थे, मगर उस दौर ने बहुत कुछ दिया भी।

मॉडल होने के नाते जब आपको आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा कि आप अभिनय नहीं कर सकते? मगर फिर आपको आगे चलकर राष्ट्रीय पुरस्कार (रॉक ऑन के लिए सहायक अभिनेता का) भी मिला?

बहुत दुख होता था, जब मुझे और मेरे अभिनय को क्रिटिसाइज किया जाता था। शुरुआत में जब आप नए होते हैं, तो आपको प्रोत्साहन चाहिए होता है, क्योंकि उस वक्त आप खुद असुरक्षित होते हैं कि आपको काम आता है या नहीं? ऐसे में जब आपके काम को बुरा बोला जाता है, तो बहुत तकलीफ होती है। किसी फिल्म पर आप साल भर मेहनत करते हो, फिर शुक्रवार को आप उसे दर्शकों को सौंप देते हो और अगर दर्शक उसे नकार दें, तो आप गिर जाते हो, टूट जाते हो। साइकोलॉजिकल रूप से यह आपको बहुत प्रभावित कर देता है। शुरू में तो मैं आलोचकों पंचिंग बैग बन गया था। मैं जितना उन्हें महत्व देता, वे उतनी अधिक आलोचना करते। फिर एक समय ऐसा आया कि मैंने तय किया कि मैं अब अपने किरदारों को अहमियत दूंगा। मैंने क्रिटिसिज्म की परवाह करना छोड़ दिया और उन्होंने मेरे बारे में कहना।

पहले मॉडलिंग फिर सिनेमा और अब ओटीटी, आपके लिए ये शिफ्ट कैसा है?

मेरे लिए ये शिफ्ट ज्यादा कुछ नहीं है। माध्यम तो अभिनय का ही है। काम भी वही है, लोग वही हैं, निर्देशक और कहानियां भी कमोबेश वही हैं। बस एक चीज जो अलग है, वो ये कि आपको अपने किरदार पर काम करने का अधिक समय मिल जाता है। कहानी परतदार होती है। इन दिनों मैं ओटीटी पर काफी इंडियन और विदेशी कॉन्टेंट देख रहा हूं और मैंने पाया कि जिन शोज के किरदार और कहानियां मजबूत होती हैं, उनकी ग्रिप भी सुदृढ़ होती है, तो ये मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं। मैंने अपने करियर में जो भी रोल किए हमेशा से खुद को किरदार के रूप में देखा। अब तो जो फिल्में या ओटीटी पर शोज बन रहे हैं, उसमें दर्शक एक्टर को नहीं बल्कि किरदारों को देखना चाहते हैं और साथ ही ये देखना चाहते हैं कि उन चरित्रों के साथ अभिनेता ने न्याय किया या नहीं, तो मेरे लिए ये बहुत अच्छा समय है, क्योंकि मुझे उस तरह के चरित्र मिल रहे हैं, जिनमें मैं प्रवेश कर सकता हूं। वेब सीरीज के साथ मैं फिल्में भी कर रहा हूं।

आपकी ताजातरीन वेब सीरीज राना नायडू में सितारों का मेला लगा हुआ है, तो इसका हिस्सा बनते हुए मन में कोई असुरक्षा थी कि आपकी भूमिका क्या आकार लेगी?

अगर आप मेरा करियर देखेंगी तो मैं इंडस्ट्री के तमाम बड़े सितारों के साथ काम कर चुका हूं। मैंने कई मल्टी स्टार कास्ट फिल्में भी की हैं, तो मैं कभी भी किसी इंसिक्योरिटी के साथ नहीं आता। एक अभिनेता के रूप में जब आप स्क्रिप्ट पढ़ रहे होते हैं, तो आपको कुछ उस वक्त फैसला लेना होता है कि क्या मैं इस किरदार के साथ इंसाफ कर पाऊंगा? क्या अभिनेता के रूप में यह मुझमें कुछ जोड़ेगा? उस वक्त अपने निर्देशक के साथ रोल को लेकर आपके सारे डिस्कशन हो जाने चाहिए। आपको कुछ कमी लग रही है, तो उस पर भी बात हो जानी चाहिए, ताकि सेट पर सब कुछ स्पष्ट रहे। मुझे जब इस भूमिका का प्रस्ताव मिला, तो यह किरदार मुझे काफी जटिल लगा। जिसके कारण इसकी लेयरिंग भी थी। मैंने निर्देशक करण अंशुमन से सारी चीजें डिस्कस करने के बाद यही कहा कि आप जब लिखेंगे, तो मेरे किरदार को ऐसे लिखिएगा कि मुझे उसे निभाते हुए थोड़ी छूट मिल सके।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।